RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:152 ता. 05 दिसम्बर 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

ग्रेटर नोएडा के किसानों की आएगी मौज, यीडा बनाएगा लैंड बैंक, 5000 हेक्टेयर जमीन खरीदने का प्लान

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में रहने वाले किसानों के लिए जरूरी खबर है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण वर्तमान और आगामी योजनाओं को पूरा करने को लैंड बैंक तैयार करेगा। ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में रहने वाले किसानों के लिए जरूरी खबर है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (ङ्घश्वढ्ढष्ठ) वर्तमान और आगामी योजनाओं को पूरा करने के लिए लैंड बैंक तैयार करेगा। यीडा आगामी छह से आठ महीने में करीब पांच हजार हेक्टेयर जमीन खरीदेगा। जमीन खरीद में फंड की कमी नहीं आएगी। इसके लिए प्राधिकरण को सरकार से भी ब्याज मुक्त ऋण मिलेगा। प्राधिकरण अधिग्रहण के लिए जिला प्रशासन को प्रस्ताव भेजेगा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में तमाम बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। कई बड़ी परियोजनाएं आने वाली हैं। इसके चलते प्राधिकरण क्षेत्र में जमीन की मांग काफी बढ़ गई है। लैंड बैंक बनने से परियोजनाओं को मूर्त रूप देने में जमीन की दिक्कत नहीं आएगी।

इन सेक्टर के लिए खरीदेंगे जमीन-यमुना प्राधिकरण बहुत जल्द सेक्टर पांच, सात और आठ के लिए जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव जिला प्रशासन को भेजेगा। इसके अलावा प्राधिकरण पहले ही सेक्टर 28, 29, 32 व 33 में किसानों से सहमति के आधार पर जमीन खरीद रहा है। सेक्टर-10 के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। एसआईए हो चुका है। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय की टीम ने एसआईए किया है। अब इसके लिए धारा 11 की अधिसूचना जारी होने वाली है।

सरकार से और मिलेगा फंड -जमीन अधिग्रहण में प्राधिकरण के सामने फंड की समस्या नहीं आएगी। हाल ही में प्राधिकरण को प्रदेश सरकार ने 1779 करोड़ रुपये दिए हैं। यह राशि ब्याज मुक्त है और 25 साल में वापस करनी होगी। इससे प्राधिकरण जमीन खरीदेगा। इसके अलावा सरकार और पैसा भी प्राधिकरण को देगी।

-डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण, विकास परियोजनाओं के लिए लैंड बैंक तैयार किया जाएगा। पांच हजार हेक्टेयर जमीन अधिगृहीत करने की योजना है। इसके लिए प्रशासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

विपक्ष संसद को पराजय का गुस्सा निकालने का मंच ना बनाएं : पीएम नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा, सभी समाजों और सभी समूहों की महिलाएं, युवा, हर समुदाय और समाज के किसान और मेरे देश के गरीब। ये चार ऐसी महत्वपूर्ण जातियां हैं

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष का आज आह्वान किया कि वे संसद को पराजय का गुस्सा निकालने का मंच ना बनायें और नकारात्मकता एवं नफरत छोड़ कर सकारात्मक विचार के साथ आये और देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए जनता की आकांक्षा को पूरा करने में सहयोग करें।

श्री मोदी ने यहां संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत के पहले संसद भवन परिसर में मीडिया को दिये अपने वक्तव्य में चार राज्यों के चुनावी परिणामों को नकारात्मकता के विरुद्ध जनादेश बताते हुए कहा, कल ही चार राज्यों के चुनाव नतीजे आए हैं। बहुत ही उत्साहवर्धक परिणाम आए हैं। ये उनके लिए उत्साहवर्धक हैं, जो देश के सामान्य मानवी के कल्याण के लिए, देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित हैं।÷

प्रधानमंत्री ने कहा, सभी समाजों और सभी समूहों की महिलाएं, युवा, हर समुदाय और समाज के किसान और मेरे देश के गरीब। ये चार ऐसी महत्वपूर्ण जातियां हैं जिनके सशक्तिकरण, उनके भविष्य को सुनिश्चित करने वाली ठोस योजनाएं और अंतिम व्यक्ति तक पहुंच के उसूलों पर जो चलता है, उन्हें भरपूर समर्थन मिलता है।

उन्होंने कहा कि इतने उत्तम जनादेश के बाद आज हम संसद के इस नए मंदिर में मिल रहे हैं। जब इस नए परिसर का उद्घाटन हुआ था, तो उस समय एक छोटा सा सत्र था और एक ऐतिहासिक निर्णय हुआ था। लेकिन इस बार लंबे समय तक इस सदन में कार्य करने का अवसर मिलेगा।

श्री मोदी ने कहा कि देश ने नकारात्मकता को नकारा है। सत्र के प्रारंभ में विपक्ष के साथियों के साथ हमारा विचार विमर्श होता है, सबके सहयोग के लिए हम हमेशा आग्रह करते हैं। इस बार भी ये सभी

प्रक्रियाएं पूर्ण कर ली गई हैं।

उन्होंने कहा, ÷हमने देखा है कि जब सुशासन सुनिश्चित हो जाता है तो एंटी-इनकंबेंसी% शब्द अप्रासंगिक हो जाता है। इतने अद्भुत जनादेश के बाद आज हम संसद के इस नये मंदिर में मिल रहे हैं! जब इस नए परिसर का उद्घाटन हुआ, तो एक छोटा सा सत्र हुआ और एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। लेकिन इस बार इस सदन में काम करने का बहुत अच्छा और व्यापक अवसर मिलेगा।÷

उन्होंने कहा, ÷लोकतंत्र का ये मंदिर जन आकांक्षाओं के लिए, विकसित भारत की नींवं को अधिक मजबूत बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण मंच है। मेरा सभी माननीय सांसदों से आग्रह है कि वो ज्यादा से ज्यादा तैयारी कर के आएं और सदन में जो भी विधेयक रखे जाएं उन पर गहन चर्चा हो।÷

श्री मोदी ने कहा, ÷अगर मैं वर्तमान चुनाव नतीजों के आधार पर कहूं, तो ये विपक्ष में बैठे हुए साथियों के लिए स्वर्णिम अवसर है। इस सत्र में पराजय का गुस्सा निकालने की योजना बनाने के बजाय, इस पराजय से सीखकर, पिछले 09 साल में चलाई गई नकारात्मकता की प्रवृत्ति को छोड़कर इस सत्र में अगर सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ेंगे तो देश उनकी तरफ देखने का दृष्टिकोण बदलेगा।÷

उन्होंने सांसदों का आह्वान किया कि वे सकारात्मक विचार ले कर आयें। हर किसी का भविष्य उज्जवल है। बाहर की पराजय का गुस्सा निकालने का मंच लोकतंत्र के मंदिर को ना बनायें। थोड़ा सा रुख बदलें और देशहित की बातों में साथ दें तो देश में फैल रही नफरत, मोहब्बत में बदल जाये। इसमें विपक्ष का भी भला है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष का भी महत्वपूर्ण स्थान है। विपक्ष की छवि नफरत और नकारात्मकता की बने, यह अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में विकसित भारत बने, यह जनता की आकांक्षा है और इसके लिए जनता इंतजार नहीं कर सकती। वे इस भावना आदर करते हुए सदन को मजबूती से आगे बढ़ाएं।

लखनऊ समेत यूपी के कई शहरों में बारिश ने बढ़ा दी ठंड, 21 जिलों के लिए अलर्ट

लखनऊ समेत कई जिलों में सुबह बारिश से मौसम बदल गया। बारिश से ठंड बढ़ी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि बारिश के बाद पारा और नीचे जाएगा। 21 जिलों को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लखनऊ समेत कई जिलों में सुबह बारिश से मौसम बदल गया। बारिश से ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि बारिश के बाद पारा और नीचे जाएगा। पश्चिमी विक्षोभ के कारण चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र मध्य पाकिस्तान और आसपास बना हुआ है। इसका क्षेत्र पश्चिमी यूपी और आसपास है। इसके कारण मौसम में बदलाव शुरू हो गया है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी है। मौसम वैज्ञानिक की मानें तो 4 दिसंबर को आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, हरदोई और सीतापुर में बारिश के आसार हैं। इसके साथ ही इटावा, औरैया, कन्नौज, कानपुर देहात, जालौन, उन्नाव, लखनऊ और बाराबंकी में भी

बारिश हो सकती है। ललितपुर, झांसी, महोबा, हमीरपुर, कानपुर नगर, फतेहपुर और रायबरेली में बारिश की संभावना है। मौसम के जानकारों ने लेकिन अगले 36 घण्टे के अंदर गरज चमक और कुछ तेज हवाओं के साथ बारिश व बूंदाबांदी की संभावना जताई है। कुछ इलाकों में तेज तो कुछ में हल्की बारिश के आसार हैं। सोमवार से मौसम में हल्की बूंदाबांदी, कोहरे व धुंध की आशंका जताई जा रही है। सोमवार का तापमान कई जगह कम रहने की संभावना है। 6,7 व 8 दिसम्बर को भी बदली रहने के आसार हैं। मौसम के जानकारों का कहना है कि 8 व 9 दिसंबर से इस साल की सर्दी का असर दिखने लगेगा।

सनातन का 'श्राप' कांग्रेस को ले डूबा? दिग्विजय सिंह और भूपेश बघेल ने पहले ही चेताया था

नई दिल्ली। साल 2018 में हुआ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस हिंदी पट्टी के बड़े राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विजयी हुई थी। हालांकि, 3 दिसंबर 2023 की शाम तक स्थिति पूरी तरह बदल गई और कांग्रेस ने दो राज्य बुरी तरह गंवा दिए और एमपी में वापसी से कोसों दूर रह गई। खुद कांग्रेस के नेता और राजनीतिक जानकार इसकी बड़ी वजह सनातन धर्म का मुद्दा बता रहे हैं। कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और दिग्गज दिग्विजय सिंह इसे लेकर कांग्रेस को पहले ही चेता चुके थे।

कांग्रेस नेता ने बताया 'श्राप'

रविवार को जब नतीजों का ऐलान हो रहा था, तो शाम तक स्थिति साफ हो चुकी थी कि कांग्रेस हार रही है। उस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महासचिव प्रियंका गांधी के करीबी नेता माने जाने वाले आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा था, सनातन का श्राप ले डूबा। हालांकि, उन्होंने इस दौरान किसी दल का नाम नहीं लिया।

राजनीतिक जानकार तहसीन पूनावाला ने कहा, ...कांग्रेस को थोड़ा आत्ममंथन करना होगा कि हिंदू हार्टलैंड के सूबे राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उनकी हार क्यों हुई है। मुझे लगता है कि इसका सबसे बड़ा कारण सनातन धर्म को गाली देना। दूसरा ओबीसी सेंसस की बात करना था। खासकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में, जहां यह फैक्टर नहीं है...।

CWC बैठक में हुई चर्चा?

सितंबर के मध्य में ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई थी। कहा जा रहा था कि इसमें तब तूल पकड़ रहे सनातन धर्म के विरोध के मुद्दे पर भी बात हुई थी। हालांकि, तब पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने इस बात से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि पार्टी सभी का सम्मान करती है और सर्वधर्म समभाव में भरोसा करती है।

दो दिग्गजों ने चेताया?

कहा जा रहा है कि तब सीएम रहे बघेल और दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने CWC बैठक में कहा थाकि पार्टी ऐसे मुद्दों से दूर रहना चाहिए इसमें नहीं फंसना चाहिए। कहा यह भी जा रहा है कि बघेल और सिंह ने इस बात पर जोर दिया था कि सनातन धर्म विवाद पर बोलने से पार्टी को नुकसान होगा और इससे भारतीय जनता पार्टी को फायदा होगा।

सनातन धर्म का क्या है मुद्दा

INDIA गठबंधन में शामिल तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल डीएमके के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सितंबर की शुरुआत में सनातन धर्म को उखाड़ने की बात कही थी। इतना ही नहीं उन्होंने सनातन धर्म की तुलना मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियों तक से कर दी थी।

यूपी के इस जिले की 100 अवैध कॉलोनियों पर चलेगा बुलडोजर, घर होंगे ध्वस्त

मेरठ। प्रदूषण नियंत्रण को लेकर लागू ग्रैप-3 खत्म होने के बाद मेरठ विकास प्राधिकरण ने एक बार फिर अवैध कॉलोनियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मेडा वीसी अभिषेक पांडेय का कहना है कि 31 दिसंबर तक 100 अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त करने का लक्ष्य तय किया है। इससे पहले 150 अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया जा चुका है। अब अवैध कालोनियों और निर्माण को लेकर युद्धस्तर पर कार्रवाई होगी। पुलिस, प्रशासन को इस संबंध में पूर्व में ही सूचना दी जा चुकी है। मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) ने शहर के चारों ओर लगातार उग रही 366 अवैध कॉलोनियों की सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड की हुई है। पिछले छह महीने से चल रहे अभियान में करीब 150 अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया जा चुका है। ग्रैप-3 लगने के बाद इन कॉलोनियों के ध्वस्तीकरण पर रोक लग गई थी। अब ग्रैप-3 हटने के बाद मेडा वीसी ने एकबार फिर से प्रवर्तन दल की बैठक कर अवैध कॉलोनियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए 31 दिसंबर तक 100 अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त करने का लक्ष्य दिया है। इसके तहत प्रवर्तन दल पिछले तीन दिन में सात से ज्यादा कॉलोनियों को ध्वस्त कर चुका है। मेडा वीसी अभिषेक पांडेय ने कहा कि अवैध कॉलोनियां शहर के सुनियोजित विकास में बाधक है। इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सूचना में ये कहा-मेडा सचिव चंद्रपाल तिवारी ने कहा है कि यदि विकासकर्ता द्वारा सम्बन्धित कालोनियों के आन्तरिक विकास कार्य पूर्ण न कराये गये हों, तो mdameerut@ rediffmail. com पर जानकारी दी जाए। यदि प्राप्त सूचनाएं सत्य पायी जाती है, तो कालोनाइजर पर कार्रवाई होगी।

वैध कॉलोनियों में विकास कराएगा मेडा-मेडा ने स्वीकृत आवासीय कालोनियों में आन्तरिक विकास कार्य पूर्ण कराने की तैयारी प्रारंभ कर दी है। इस क्रम में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत आवासीय कालोनियों के (तलपट मानचित्र) / रूप हाउसिंग के पंजीकृत रेजीडेन्ट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यू/एओए) को सार्वजनिक सूचना जारी की गई है।

रिजल्ट लोगों के गले नहीं उत्तर रहा, बीजेपी की जीत पर मायावती की प्रतिक्रिया

लखनऊ। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में बीजेपी की जीत पर बसपा सुप्रीमो मायावती का बयान आया है। चुनाव परिणाम पर मायावती की पहली प्रतिक्रिया आई है। मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि चुनाव नतीजों में एक तरफा जीत पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि इससे लोगों का आशंकित, अचंभित और चिंतित होना स्वाभाविक है। मायावती ने कहा कि चुनाव परिणाम विचित्र है और लोगों के गले नहीं उत्तर रहा।

मायावती ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि देश के चार राज्यों में अभी हाल ही में हुए विधानसभा आमचुनाव के आए परिणाम एक पार्टी के पक्ष में एकतरफा होने से सभी लोगों

का शंकित, अचंभित व चिन्तित होना स्वाभाविक, क्योंकि चुनाव के पूरे माहौल को देखते हुए ऐसा विचित्र परिणाम लोगों के गले के नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल है।

पूरे चुनाव के दौरान माहौल एकदम अलग व काँटे के संघर्ष जैसा दिलचस्प, किन्तु चुनाव परिणाम उससे बिल्कुल अलग होकर पूरी तरह से एकतरफा हो जाना, यह ऐसा रहस्यात्मक मामला है जिसपर गंभीर चिन्तिन व उसका समाधान जरूरी। लोगों की नब्ज पहचानने में भयंकर 'भूल-चूक' चुनावी चर्चा का नया विषय।

मायावती ने कहा कि बीएसपी के सभी लोगों ने पूरे तन, मन, धन व दमदारी के साथ यह चुनाव लड़ा, जिससे माहौल में नई जान आई, किन्तु उन्हें ऐसे अजूबे परिणाम से निराश कतई भी नहीं होना है बल्कि परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करते रहना है।

इस चुनावी परिणाम के संदर्भ में जमीनी रिपोर्ट लेकर आगे लोकसभा चुनाव की नए सिरे से तैयारी पर विचार-विमर्श के लिए पार्टी की आल इण्डिया की बैठक आगामी 10 दिसम्बर को लखनऊ में आहुत। चुनाव परिणाम से विचलित हुए बिना अम्बेडकरवादी मूवमेन्ट आगे बढ़ने का हिम्मत कभी भी नहीं हारेगा।

आपको बता दें कि चार राज्यों के चुनाव परिणाम में बसपा का तेलंगाना, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में खाता भी नहीं खुला। राजस्थान में उसके दो विधायक जीत पाए, लेकिन वोट बैंक में काफी गिरावट देखने को मिली है।

कमलनाथ को सीटों पर अखिलेश यादव दिखा रहे थे हेकड़ी, 50 से ज्यादा पर जमानत जब्त

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश में खूब मेहनत की और ताबड़तोड़ रैलियां कीं, लेकिन पार्टी नतीजा उनके लिए बेहद निराशाजनक रहा। समाजावादी पार्टी खाता तक नहीं खोल सकी और अब तक का सबसे कम वोट शेयर मिला। सपा को इस चुनाव में महज 0.46 फीसदी वोट मिला जोकि नोटा से भी कम है। अखिलेश यादव के 2017 में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद से सपा को उत्तर प्रदेश और इसके बाहर कई चुनावी हार का सामना करना पड़ा है।

सपा को सबसे पहले 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था, जब उसने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। दो साल बाद समाजवादी पार्टी ने धुर विरोधी दल बहुजन समाज पार्टी के साथ भी हाथ मिला लिया। वह 2019 लोकसभा चुनाव में बुआ मायावती के साथ चुनाव लड़े, लेकिन भतीजे अखिलेश के लिए यह निराशाजनक रहा। हार का सिलसिला यहीं नहीं थमा। 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी सपा को करारी हार का सामना करना पड़ा और अब मध्य प्रदेश में धूल फांकना पड़ा।

समाजावदी पार्टी ने इस बार मध्य प्रदेश में 69 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन किसी भी सीट पर दूसरे नंबर पर भी नहीं पहुंचे। यह तब है जब सपा को उत्तर प्रदेश के बाहर सबसे अधिक समर्थन मध्य प्रदेश से ही मिलता रहा। 1998 में मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी को चार सीटों पर जीत मिली और 1.58 फीसदी वोट शेयर हासिल हुआ। 2007 में पार्टी 3.7 फीसदी वोट शेयर पर कब्जा किया। 2008 और 2018 में एक-एक सीट पर जीत मिली और क्रमशः 1.9 और 1.3 फीसदी वोट शेयर मिला। यहां तक कि 2013 में जब सपा को कोई सीट नहीं मिली, तब भी वोट शेयर 1.2 पर्सेंट था। जिन 69 सीटों पर सपा लड़ी उनमें से 43 पर एक हजार से कम वोट मिले। चार विधानसभा सीटों बहोरीबंद, चंदला, जतारा और निवाड़ी में सपा ने वोट काटकर कांग्रेस का खेल बिगाड़ा। भाजपा ने इन सभी चार सीटों पर जीत हासिल की। सपा का इतना खराब प्रदर्शन इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के बाहर पहली बार इतनी मेहनत की थी। अखिलेश यादव ने 6 दिनों तक 24 रैलियां, रोड शो और रथ यात्रा की। उन्होंने 20 विधानसभा क्षेत्रों में जाकर पार्टी के लिए प्रचार किया। अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव ने भी कुछ रैलियां और रोड शो कीं।

चुनाव के बीच कांग्रेस से खटास

2024 लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और सपा के बीच मध्य प्रदेश में टकराव भी हुआ। कांग्रेस की ओर से गठबंधन नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए अखिलेश यादव ने सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कांग्रेस पर धोखा देने का आरोप लगाया और यहां तक कहा कि यदि राज्य में चुनावों के लिए गठबंधन नहीं है तो वह लोकसभा चुनाव को लेकर भी इस पर विचार करेंगे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने भी सपा प्रमुख को अखिलेश-वखिलेश कह दिया जिससे रार और बढ़ गई।

सपा ने नतीजे से क्या निकाला संदेश

समाजवादी पार्टी के नेता सुधीर पंवार ने सपा और कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर कहा कि नतीजों से तीन चीजें सामने आई हैं। उन्होंने इसे विस्तार से बताते हुए कहा, पहली बात यह कि, इंडिया गठबंधन के गठन के बावजूद कांग्रेस का अकेले चुनाव लड़ने का फैसला गलत साबित हुआ। दूसरी बात यह साबित होती है कि भाजपा से मुकाबले के लिए संगठन की मजबूती आवश्यक है। तीसरी बात यह कि बीजेपी सरकारें डीबीटी से किसान सम्मान निधि और लाडली बहना जैसी योजना चला रही है और विपक्ष के पास इसका कोई जवाब नहीं है। क्योंकि विपक्ष सिर्फ वादे कर सकता है और दूसरी तरफ भाजपा सरकार मुफ्त फायदे दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश के चुनावी नतीजे के इतर सपा उत्तर प्रदेश में मजबूत है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के बावजूद सपा ने 32 फीसदी वोट शेयर हासिल किया था।

विदेशी मीडिया में भी छाए मोदी, भाजपा की बंपर जीत के हुए चर्चे

-3 राज्यों में बिना सीएम चेहरे के लड़ा चुनाव, नेहरू के वंशज राहुल को दिया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन राज्यों में मोदी का जादू जमकर बोला है, वहीं विदेशी मीडिया में भी मोदी की जमकर तारीफ हो रही है। इससे नेहरू के वंशज राहुल को बड़ा झटका लगा है। मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा ने धमाकेदार जीत दर्ज की है। इधर कांग्रेस को तेलंगाना में सफलता मिली है। तीनों राज्यों में मुख्य रूप से पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ी भाजपा की जीत के चर्चे विदेशी मीडिया में खूब हुए हैं। कुछ मीडिया संस्थान इसे 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा की मजबूत स्थिति बता रहे हैं वहीं, कुछ ने इसे कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के लिए झटका बताया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, हिंदी बेल्ट के तीन राज्यों में जीत के जरिए भाजपा ने लोकसभा चुनाव से पहले अपना प्रभाव बढ़ा लिया है। ये नतीजे मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की बिगड़ती स्थिति के बीच एक ओर झटका थे। राजनीतिक जानकार आरती जेरथ के हवाले से एनवाईटी ने बताया है कि ये नतीजे 2024 में भाजपा के लिए बड़े फायदेमंद साबित होंगे।

न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार की रिपोर्ट में अयोध्या के राम मंदिर उद्घाटन का भी जिक्र है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी में अयोध्या में बड़े मंदिर उद्घाटन के जरिए मोदी के पास पहले ही बड़ा समर्थन जुटाने का एक प्लान है। इसी तरह ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में ग्लोबल डेटा टीएस लोमबार्ड की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट शुमिता देवेश्वर के हवाले से लिखा गया कि पीएम नरेंद्र मोदी असाधारण रूप से लोकप्रिय बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के नतीजे दिखाते हैं कि देश का मूड उन्हें लगातार तीसरे कार्यकाल में लाने में है। भाजपा का कमजोर प्रदर्शन विपक्ष को कुछ रफ्तार दिलाने में मदद करता, लेकिन नतीजे संकेत दे रहे हैं कि मोदी का सत्ता में आना तय है।

एक अन्य अखबार रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मोदी एक दशक बाद भी लोकप्रिय बने हुए हैं और सर्वे संकेत दे रहे हैं कि वह अगले साल फिर जीत सकते हैं। खास बात है कि रिपोर्ट में विपक्षी गठबंधन में हुई आंतरिक कलह का भी जिक्र किया गया है। वहीं एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, तीन राज्यों में जीत ने भाजपा और लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए पहले ही लोकप्रिय बने हुए मोदी को रफ्तार दे दी है। रिपोर्ट में कहा गया कि कांग्रेस के सीधे मोदी पर व्यक्तिगत और आक्रामक प्रचार की अगुवाई कर रहे नेहरू-गांधी के वंशज राहुल गांधी के लिए ये नतीजे झटके के तौर पर देखे जा रहे हैं। नतीजों की बात करें तो 90 सीटों वाले छत्तीसगढ़ में भाजपा ने 54 सीटें अपने नाम की। यहां कांग्रेस 35 पर समिट गई। राजस्थान में 199 में भाजपा 115 सीटें अपने नाम करने में सफल रही। जबकि, कांग्रेस की झोली में सिर्फ 69 सीटें ही आईं।

4 राज्यों के नतीजों पर चिंतन करने मायावती ने बुलाई बैठक

लखनऊ। बसपा अध्यक्ष मायावती ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्यों के नतीजों को देखते हुए चिंतन बैठक बुलाई है। हालांकि बसपा का कहना है कि इन चार राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम लोगों के गले से नीचे नहीं उतर रहे हैं, ऐसे रहस्यात्मक मामले पर गंभीर चिंतन और उसके समाधान की जरूरत है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर डाले गए सिलसिलेवार संदेशों में विस्तार से अपनी बात कही और चुनाव परिणाम के संदर्भ में जमीनी रिपोर्ट लेकर आगामी लोकसभा चुनाव की नए सिरे से तैयारी के लिए आगामी 10 दिसंबर को लखनऊ में पार्टी की अखिल भारतीय बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा कि देश के 4 राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम एक पार्टी के पक्ष में एकतरफा होने से लोगों का अचंभित और चिंतित होना स्वाभाविक है। चुनाव के पूरे माहौल को देखते हुए ऐसा विचित्र परिणाम लोगों के गले के नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल है। बसपा अध्यक्ष ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि पूरे चुनाव के दौरान माहौल एकदम अलग, कांटे के संघर्ष वाला और दिलचस्प था मगर चुनाव परिणाम उससे बिल्कुल अलग होकर पूरी तरह से एकतरफा हो जाना, यह ऐसा रहस्यात्मक मामला है जिस पर गंभीर चिंतन व उसका समाधान जरूरी है। लोगों की नब्ज पहचानने में भयंकर भूल-चूक चुनावी चर्चा का नया विषय है। मायावती ने अगले पोस्ट में कहा ?कि बसपा के सभी लोगों ने पूरे तन मन धन व दमदारी के साथ यह चुनाव लड़ा। उन्हें ऐसे अजूबे परिणाम से निराश कतई नहीं होना है बल्कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करते रहना है। दरअसल बसपा ने मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना मेंउम्मीदवार खड़े किए थे लेकिन राजस्थान दो सीट के अलावा किसी राज्य में उसका खाता नहीं खुला।

इस साल कड़ाके की ठंड पड़ने के नहीं हैं आसार, कम चलेगी शीतलहर

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि इस साल कड़ाके की ठंड कम पड़ेगी जबकि शीतलहर चलने के भी आसार नहीं हैं। देश भर में इस बार सर्दियों के गर्म रहने की भविष्यवाणी करते हुए आईएमडी ने कहा है कि न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। यह भारत सहित दुनिया भर में पिछले महीने अनुभव की गई गर्मी के मुताबिक है, जो 1901 के बाद से तीसरा सबसे गर्म नवंबर रहा। भारत में 1901 के बाद से इस साल फरवरी, अगस्त और नवंबर सबसे गर्म महीने रहे। इसके साथ 2023 धरती पर अब तक का सबसे गर्म साल बनने की राह पर है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि 'अल नीनो जैसी बड़े पैमाने की विशेषताओं, पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी में विकसित होने वाले आगामी चक्रवात जैसे क्षेत्रीय कारकों के अलावा देश में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान होने की संभावना है, जिससे यह गर्म सर्दियों का मौसम बन जाएगा। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि कमजोर और धीमी शीत लहरें दिसंबर से फरवरी के समय को और गर्म बनाए रख सकती हैं। मौजूदा वक्त में अल नीनो की स्थिति, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर पर दर्ज किए गए सामान्य समुद्री सतह के तापमान से अधिक गर्म है और अपने चरम पर पहुंच रही है। जबकि गर्म सर्दी में योगदान देने वाले दूसरे कारणों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण बादल छाए रहना भी शामिल है, जिससे न्यूनतम तापमान बढ़ सकता है। आईएमडी के प्रमुख ने कहा कि 'इसके अलावा जल्द ही विकसित होने वाले चक्रवात के कारण भी बादल छाएंगे और आने वाले दिनों में दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और पूर्वी तटीय भारत में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ऊपर रहेगा।

चीन में नई बीमारी ने पैर पसारे, बच्चों की बीमारी से दुनिया भर में टेंशन

नई दिल्ली। चीन में इन दिनों एक नई बीमारी पैर पसार रही है। बच्चों में फैल रही रहस्यमयी बीमारी ने एक बार फिर से पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। चीन में इस बीमारी से बच्चे सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। यह बीमारी निमोनिया जैसी है, इससे पीड़ित बच्चों को सांस लेने में दिक्कत आ रही है। कहा जा रहा है कि इस बीमारी से पीड़ित लगभग सात हजार लोग प्रतिदिन अस्पताल आ रहे हैं। हालांकि चीन का कहना है कि इससे डरने की जरूरत नहीं है। चीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में सांस संबंधी बीमारियों में वृद्धि फ्लू और अन्य ज्ञात रोगाणुओं के कारण हुई है, न कि किसी नए वायरस के कारण से हुई है। चीन में श्वसन संबंधी बीमारियों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का ध्यान आकर्षित किया है। चीन में किसी बीमारी के मामले बढ़ना दुनिया को डराने वाला है। क्योंकि 2019 में कोविड-19 भी यहीं से शुरू हुआ था और पूरी दुनिया में फैल गया था। लेकिन बाद में कोविड-19 ने महामारी का रूप ले लिया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के प्रवक्ता ने कहा कि श्वसन संबंधी संक्रमण के हालिया मामले इन्फ्लूएंजा वायरस, राइनोवायरस, रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस या आरएसवी, एडेनोवायरस के साथ-साथ माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया जैसे सामान्य जीवाणुओं के कारण हुए है, जो श्वसन पथ के संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। इस बीमारी के फैलने की सबसे बड़ी वजह सख्त लॉकडाउन का हटना बताया जाता है। हालांकि अब वहां पहली सर्दी है। जहां तक हम बच्चों में संक्रमण के बारे में जानते हैं, 5 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे को साल में 3-8 बार वायरल संक्रमण होता है और प्रत्येक संक्रमण के साथ वह इसके प्रति प्रतिरक्षित हो जाता है, इसलिए चिंता की बात है।

चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण चेन्नई में मची तबाही, दीवार गिरने से दो मजदूरों की मौत

चेन्नई। जैसे ही बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरे दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान मिचौंग में बदल गया और चेन्नई में भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 5 दिसंबर को चक्रवात मिचौंग के तट से टकराने के साथ 80-90 किमी प्रति घंटे की गति से 100 किमी प्रति घंटे तक तेज हवाएं चलने और बारिश होने की संभावना है। भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण कनाथूर में एक नवनिर्मित दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हुई और एक व्यक्ति घायल हो गया। मरने वाले लोग झारखंड के रहने वाले थे। आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि शहर और इसके पड़ोसी जिलों में अगले 24 घंटों में अत्यधिक भारी बारिश होगी। भारी बारिश और तेज हवा के कारण चेन्नई हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन प्रभावित हुआ है। कई उड़ानें रद्द कर दी गईं और कुछ अन्य का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को शहर में तैनात किया गया था। एनडीआरएफ की टीमों ने गंभीर जलजमाव के कारण फंसे पीरकनकरनई और पेरुंगलाथुर के पास तांबरम इलाके से लगभग 15 लोगों को बचाया। खतरे के स्तर से ऊपर बह रहे पानी को देखते हुए सुरक्षा कारणों से बेसिन ब्रिज और व्यासरपाडी के बीच पुल नंबर 14 को निलंबित कर दिया गया है। चेन्नई से शुरू हो रही मैसूरु शताब्दी एक्सप्रेस, कोयंबटूर कोवई एक्सप्रेस, कोयंबटूर शताब्दी एक्सप्रेस, केएसआर बेंगलुरु एसी डबल डेकर एक्सप्रेस, केएसआर बेंगलुरु बृंदावन एक्सप्रेस, तिरुपति सप्तगिरि एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया। इस बीच, जलभराव के कारण 14 सबवे बंद कर दिए गए। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली गुल हो गई जबकि कई निचले इलाकों में पानी भर गया। पड़ोसी जिलों कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर में भी भारी बारिश हुई। इसके अतिरिक्त, दक्षिण रेलवे ने भारी बारिश और जलभराव के कारण सोमवार सुबह 8 बजे तक सभी चेन्नई उपनगरीय खंडों में उपनगरीय ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। दक्षिण रेलवे के मुताबिक, इन खंडों में केवल विशेष यात्री ट्रेनें ही संचालित की जाएंगी।

संजय सिंह को नहीं मिली राहत, 11 दिसंबर तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार (4 दिसंबर) को एक्साइज पॉलिसी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राज्यसभा सांसद और 'आप' नेता संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 11 दिसंबर तक बढ़ा दी। सिंह को उनकी पिछली न्यायिक हिरासत समाप्त होने के बाद आज अदालत में पेश किया गया था। आपको बता दें कि ईडी ने 4 अक्टूबर को संजय सिंह को गिरफ्तार किया था। इससे पहले कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को संजय सिंह द्वारा दाखिल जमानत अर्जी पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। इससे पहले दो दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने संजय सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत एक स्थानीय अदालत में आरोपपत्र दायर किया। यह इस मामले में पूरक आरोप पत्र है क्योंकि एजेंसी पहले ऐसी लगभग पांच अभियोजन शिकायतें दायर कर चुकी है। धनशोधन रोधी एजेंसी ने आरोप लगाया था कि आरोपी कारोबारी दिनेश अरोड़ा ने राज्यसभा सदस्य के आवास पर दो किस्तों में दो करोड़ रुपये नकद पहुंचाए थे। सिंह ने इस दावे का खंडन किया है। ईडी ने 2021-22 दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में 'आप' सांसद को गिरफ्तार किया था। इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बाद वह दूसरे बड़े नेता हैं। दिल्ली पर शासन करने वाली 'आप' ने गिरफ्तारियों और मामले को 卐राजनीतिक षड्यंत्र卐 करार दिया है। ईडी के अनुसार, जांच में पता चला है कि अरोड़ा ने सिंह के घर पर दो मौकों पर दो करोड़ रुपये नकद पहुंचाए थे। अगस्त 2021 से अप्रैल 2022 के बीच यह नकदी पहुंचाई गई।

मांझी ने कांग्रेस की हार के लिए नीतीश को ठहराया जिम्मेदार

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक जीतनराम मांझी ने कांग्रेस की हार के लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नवगठित विपक्षी गठबंधन इंडिया का एक बड़ा चेहरा हैं और वह वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद के संभावित उम्मीदवार भी हैं। हम नेता मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार विधानसभा में उनका अपमान किया था और प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण में अपनी भूमिका का जिक्र करते हुए महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी भी की थी। उन्होंने कहा ?कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान अपनी सभाओं में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा दलितों और महिलाओं के अपमान का मुद्दा उठाया था, जिसकी कांग्रेस को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार को पिछड़ों और वंचितों की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण आरक्षण सीमा को बढ़ाकर पिछड़ों-वंचितों को बेवकूफ बनाया है। मांझी ने कहा कि वंचितों के लिए आरक्षण का मौजूदा फार्मूला ठीक से लागू ही नहीं हो पा रहा है लेकिन नीतीश कुमार ने उनके लिए नया फार्मूला लागू कर दिया है।

अवैध विदेशी फंडिंग देश को पहुँचा रही नुकसान, देश में यूनिफॉर्म बैंकिंग कोड लाने की माँग

-मामले की सुनवाई 9 अप्रैल को होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में समान बैंकिंग संहिता की मांग को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता और भारत के पीआईएल मैन के रूप में विख्यात अश्विनी उपाध्याय की याचिका पर आज न्यायालय में सुनवाई हुई। हम आपको बता दें कि इस याचिका में अश्विनी उपाध्याय ने कहा है कि विदेशी कोष के स्थानांतरण के लेकर प्रणाली में कुछ खामियां हैं जिनका फायदा अलगाववादी, नक्सली, माओवादी और आतंकवादी उठाते हैं। उनका कहना है कि समान बैंकिंग संहिता देश के लिए जरूरी है। हम आपको बता दें कि इस मामले की अगली सुनवाई 9 अप्रैल को होगी। उपाध्याय ने केंद्र सरकार से निवेदन किया है कि उससे पहले वह यूनिफॉर्म बैंकिंग कोड लायें क्योंकि विदेशी बैंक एनईएफटी-आरटीजीएस के जरिए विदेशी लेनदेन कर रहे हैं इसलिए आरबीआई को अवैध विदेशी फंडिंग का पता ही नहीं चलता है।

हम आपको बता दें कि अपनी याचिका में उपाध्याय ने दलील दी है कि जब वीजा के लिए आव्रजन नियम समान हैं तो विदेशी मुद्रा लेन-देन के लिए विदेशी बैंक शाखाओं सहित भारतीय बैंकों में जमा विवरण एक ही प्रारूप में होना चाहिए चाहे वह चालू खाते में निर्यात भुगतान हो या बचत खाते में वेतन। अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि अवैध विदेशी मुद्रा लगभग 50 हजार करोड़ रुपए सालाना आती है। उन्होंने कहा कि जब अदालत ने हमसे इस मामले में तथ्य देने को कहा कि मीडिया में जो तथ्य सामने आये हैं वह तो हमने आपके समक्ष प्रस्तुत कर दिये हैं लेकिन ज्यादा तथ्य सरकार के पास मिलेंगे क्योंकि गृह मंत्रालय ने एक लाख एनजीओ का लाइसेंस रद्द किया जिसमें से अधिकांश फंडिंग के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में रद्द किये गये थे। उन्होंने कहा कि हमने अदालत से कहा है कि इससे संबंधित आंकड़े गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग प्रस्तुत कर सकते हैं।

बुरी हार से इंडिया गठबंधन के नेतृत्व से पिछड़ती दिख रही कांग्रेस

-जेडीयू ने नीतिश कुमार को संयोजक बनने की पैरवी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की बुरी तरह हार मिली है। तीन राज्यों में हार के साथ ही इंडिया गठबंधन के नेतृत्व की जंग में भी कांग्रेस पिछड़ती दिख रही है। गठबंधन में सहयोगी बिहार की सत्ताधारी जदयू ने भी कांग्रेस पर सवाल उठा दिए।

जदयू के नेता और मंत्री विजय चौधरी ने नीतीश को गठबंधन का विश्वसनीय चेहरा बताया। उन्होंने कहा, नीतीश के प्रयास से ही इंडिया गठबंधन बना। तीन राज्यों में रिजल्ट का संदेश साफ है कि विपक्षी दलों को एकजुट होकर लड़ना होगा। कांग्रेस को क्षेत्रीय पार्टियों के साथ लचीला रवैया दिखाकर उदार बनना होगा। आपसी साझेदारी नहीं बनने का सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस को हुआ। उन्होंने कहा, देश जानता है कि गठबंधन में कौन विश्वसनीय है?

इसके पहले जदयू के प्रदेश महासचिव निखिल मंडल ने ट्वीट कर कांग्रेस पर हमला किया था। मंडल ने ट्वीट कर लिखा, अब इंडिया गठबंधन को नीतीश कुमार के अनुसार चलना चाहिए। पिछले कुछ समय से कांग्रेस पांच राज्यों के चुनाव में व्यस्त रही, जिसकी वजह से इंडिया गठबंधन पर ध्यान नहीं दे पा रही थी और अब कांग्रेस चुनाव लड़ भी चुकी है और नतीजे भी सबके सामने हैं। मंडल ने कहा कि नीतीश इंडिया गठबंधन के सूत्रधार हैं और वही इस नैया को पार करा सकते हैं।

वहीं चार राज्यों में नतीजों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है। खड़गे ने 6 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है। इसके पहले भी खड़गे ने साफ किया था कि 5 राज्यों में चुनाव नतीजे आने के बाद विपक्षी गठबंधन की बैठक बुलाई जाएगी। इसमें सीटों के बंटवारे से लेकर गठबंधन के संयोजक के नाम सहित तमाम मुद्दों पर चर्चा होगी।

इसरो चीफ ने किया खुलासा, गगनयान से 4 अंतरिक्ष यात्री स्पेस में जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा कि भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान मिशन 'गगनयान' से चार यात्री अंतरिक्ष में जाएंगे। इसके लिए चुने गए अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह से तैयार हैं और 2025 का इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि 'गगनयान' कार्यक्रम का लक्ष्य 2025 में तीन दिवसीय मिशन के लिए चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है। सोमनाथ ने कहा कि इसरो इस मिशन को संभव बनाने के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए दिन-रात काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले मिशन के लिए हमने उनमें से चार को चुना है, और हमारा प्रयास है कि उन्हें 2025 तक अंतरिक्ष में भेज दिया जाए और फिर सुरक्षित वापस लाया जाए। उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर लाना इस मिशन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।' इसरो प्रमुख सोमनाथ ने पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय (पीडीईयू) के 11वें दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, 'इसे संभव बनाने के लिए आने वाले दिनों में बहुत सारी तकनीक विकसित करने की जरूरत है। इसरो में हम इसे साकार करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं'। पिछले कुछ वर्षों में इसके लिए कई तकनीकों को विकसित और सफल बनाया गया है। सोमनाथ ने कहा कि आने वाले दिनों में हम मानव रहित कई मिशन देखेंगे और फिर अंततः भारतीय को अंतरिक्ष में भेजेंगे। अंतरिक्ष यात्री पहले से ही तैयार हैं'। उन्होंने कहा कि इसरो एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने पर भी विचार कर रहा है, जो वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति तथा उद्योगों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के लिए जरूरी है।'चंद्रयान-3' के बारे में बात करते हुए सोमनाथ ने कहा कि भारत के पास अब इस श्रेणी की 'उच्च प्रौद्योगिकी' परियोजनाओं को पूरा करने का आत्मविश्वास है। हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग वाला पहला देश बन गए, और हम चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बन गए।

ठाकरे गुट ने कांग्रेस के प्रति जताई नाराजगी, कहा राहुल-प्रियंका गांधी की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं कांग्रेसी

मुंबई (एजेंसी)। तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर उत्तर भारत के हिंदी भाषी क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया है. इसके विपरीत, तेलंगाना में कांग्रेस को बहुमत मिलने के बाद से एक बार फिर यह साबित हो गया है कि दक्षिणी राज्य में बीजेपी का कोई प्रभाव नहीं है. इसके मद्देनजर जहां राजनीतिक विश्लेषक इन चार राज्यों के चुनाव नतीजों के आधार पर लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक समीकरण पेश कर रहे हैं, वहीं इस हार को लेकर ठाकरे गुट ने कांग्रेस के स्थानीय नेताओं पर निशाना साधा है. साथ ही इस बात की भी आलोचना की गई है कि कांग्रेस ने इस चुनाव में इंडिया अलायंस के सिद्धांत का पालन नहीं किया. पांच में से चार राज्यों के नतीजे घोषित हो चुके हैं और इनमें से तीन में बीजेपी ने कांग्रेस को हरा दिया है. मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की ओर से जीत के समीकरण स्पष्ट होने के दावे किये जा रहे थे. हालांकि, वहां भी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा. इसी के मद्देनजर ठाकरे गुट ने अपने सामना अख़बार के जरिए कांग्रेस पर निशाना साधा है.

कमलनाथ ने नहीं किया इंडिया अलायंस के नियमों का पालन

कांग्रेस के पास मध्य प्रदेश में जीतने का सबसे अच्छा मौका था, लेकिन कमलनाथ, शिवराज सिंह चौहान के सामने टिक नहीं सके। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक टिकट वितरण की कमान कमलनाथ के हाथ में थी. उन्होंने इंडिया अलायंस के नियमों का पालन नहीं किया. कमलनाथ ने अखिलेश यादव से भी किनारा कर लिया परिणामस्वरूप समाजवादी पार्टी ने निर्दलीय उम्मीदवार उतार दिया. सामना अख़बार में आगे लिखा है कि राज्यों में कांग्रेस के अलोकप्रिय नेता राहुल-प्रियंका गांधी की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं'।

ओवैसी की भाजपा शैली की राजनीति

'बीजेपी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल की। मोदी की इस सफलता और इस तरह के जश्न की शुरुआत बीजेपी ने की. तेलंगाना में मोदी सफल क्यों नहीं हुए? तेलंगाना में के.सी.चन्द्रशेखर राव को कांग्रेस ने हराया. तेलंगाना में बीजेपी दस सीटों के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाई. मुख्यतः तेलंगाना में भी ओवेसी की एमआईएम की भाजपा शैली की राजनीति काम नहीं आई। तेलंगाना में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला।

हमें इससे सबक लेकर 2024 की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए

'बीजेपी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे बड़े राज्यों पर कब्ज़ा कर लिया। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स का टीमवर्क काम आया और बीजेपी जीत गई. अगर कांग्रेस पार्टी ने इंडिया अलायंस के तौर पर टीम वर्क किया होता तो प्रदर्शन शानदार होता, लेकिन गलतियां हुई हैं. हमें इससे सबक लेकर 2024 की तैयारी में जुट जाना चाहिए. मध्य प्रदेश, राजस्थान का चुनाव जीतने के लिए बीजेपी ने केंद्र के मंत्रियों को चुनाव में उतारा, लेकिन कांग्रेस ने राज्य में इंडिया अलायंस के अपने सहयोगियों को साथ में नहीं लिया, इस बात को लेकर भी ठाकरे गुट ने कांग्रेस के प्रति नाराजगी जताई है.

I.N.D.I.A गठबंधन को बड़ा झटका देने जा रही ममता बनर्जी! 6 दिसंबर की बैठक से बना सकती हैं दूरी

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए चुनावी राज्यों के नतीजों के बाद मुश्किले शुरू हो सकती हैं। बताया जा रहा है कि 6 दिसंबर की बैठक में तृणमूल कांग्रेस की भागीदारी अनिश्चित है। एक सूत्र ने बताया कि टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के बैठक में शामिल न होने की संभावना है, क्योंकि उनका उत्तर बंगाल में एक कार्यक्रम निर्धारित है। कांग्रेस ने 6 दिसंबर को नई दिल्ली में अगली भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (INDIA) भागीदारों की बैठक बुलाई है। यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई जब रविवार को भाजपा ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सरकार बनाने जारी है। कांग्रेस को तेलंगाना में जीत तो मिली पर उसके हाथों से छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे बड़े राज्य निकल गए। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने आज कहा कि कांग्रेस इंडिया गठबंधन के सदस्यों के साथ सीट-बंटवारे की व्यवस्था की कमी के कारण तीन राज्यों में प्रमुख विधानसभा चुनाव हार गई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह 卐कांग्रेस की हार है, लोगों की नहीं卐। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना जीत लिया है। वे मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जीत चुके होते। कुछ वोट इंडिया की पार्टियों ने काटे। यह सच है। हमने सीट-बंटवारे की व्यवस्था का सुझाव दिया था। वोटों के बंटवारे के कारण वे हार गये। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने सोमवार को कहा कि उसकी सहयोगी कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में ''इंडिया'' गठबंधन के साझेदारों के साथ कोई तालमेल नहीं कर अकेले चुनाव लड़कर गलती की। जदयू के मुख्य प्रवक्ता और विधानपरिषद सदस्य नीरज कुमार ने भी इन राज्यों में कांग्रेस की हार के लिए भाजपा की ''सांप्रदायिक उन्माद'' की कथित राजनीति का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में विफलता को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ''यह कहने का कोई मतलब नहीं है कि आपका राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन है, लेकिन आप राज्यों में अलग-अलग चुनाव लड़ना चाहते हैं।''

देश की आधी आबादी पर राज कर रहा भगवा दल, कांग्रेस की हिस्सेदारी सिर्फ 8.51 प्रतिशत जनसंख्या पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव परिणाम 2023 घोषित हुए, और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) न सिर्फ दो नए राज्यों में सरकार बनाने का अधिकार पा गई, बल्कि अब देश की 41 प्रतिशत से अधिक आबादी पर खुद अपने बूते राज करने जा रही है। इतना ही नहीं गठबंधन सहयोगियों के लिहाज से शासन चलाने का पहलू देखने पर भाजपा का शासन अब देश की आधी से ज्यादा आबादी पर हो गया है। इसके विपरीत, कांग्रेस का शासन खुद के बूते देश की सिर्फ 8.51 प्रतिशत जनसंख्या पर रह गया है, हालांकि गठबंधन सहयोगियों के बूते कांग्रेस अब भी 19.84 प्रतिशत हिन्दुस्तानियों पर राज कर रही है।

अगर हम पहले यह देखने कि बीजेपी का राज देश की आधी से ज्यादा आबादी पर कैसे है, तब सबसे पहले देखते हैं कि वह अपने बूते कहां-कहां शासन कर रही है। वर्तमान में देश के 12 राज्यों में बीजेपी की अपनी सरकार होगी, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, असम, छत्तीसगढ़, हरियाणा, उत्तराखंड, त्रिपुरा, मणिपुर, गोवा और अरुणाचल प्रदेश हैं। अगर 2011 की जनगणना के लिहाज से देखने पर उत्तर प्रदेश में उस वक्त हिन्दुस्तान की 16.51 प्रतिशत आबादी बसती थी, तब आज भी देश की बढ़ी हुई आबादी का इतना ही प्रतिशत उत्तर प्रदेश में बसता होगा।

इस लिहाज से यूपी में देश की 16.51 प्रतिशत, एमपी में छह प्रतिशत, राजस्थान में 5.66 प्रतिशत, गुजरात में 4.99 प्रतिशत, असम में 2.58 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 2.11 प्रतिशत, हरियाणा में 2.09 प्रतिशत, उत्तराखंड में 0.83 प्रतिशत, त्रिपुरा में 0.3 प्रतिशत, मणिपुर में 0.21 प्रतिशत, गोवा में 0.12 प्रतिशत तथा अरुणाचल प्रदेश में 0.11 प्रतिशत रहती है, और इस तरह बीजेपी देश की कुल 41.51 प्रतिशत आबादी पर अपने खुद के बूते शासन कर रही है। इन 12 राज्यों के अलावा, भाजपा महाराष्ट्र (9.28 प्रतिशत), मेघालय (0.25 प्रतिशत), नागालैण्ड (0.16 प्रतिशत) तथा सिक्किम (0.05 प्रतिशत) में रहने वाली कुल 9.74 प्रतिशत आबादी पर गठबंधन के द्वारा भी राज कर रही है, इस हिसाब से बीजेपी का राज कुल मिलाकर देश की आधी से ज्यादा यानी 51.25 प्रतिशत आबादी पर हो गया है।

बच्चों में फैल रही नई बीमारी से चीन सहित दुनिया भर में बढ़ी मुश्किलें

बीजिंग ।चीन के ज्यादातर बच्चों में फैल रही रहस्यमयी बीमारी ने एक बार फिर से पूरी दुनिया में मुश्किलें बढ़ा दी है। चीन में इस बीमारी से बच्चे सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। यह बीमारी निमोनिया जैसी है, इससे पीड़ित बच्चों को सांस लेने में दिक्कत आ रही है। कहा जा रहा है कि इस बीमारी से पीड़ित लगभग सात हजार लोग प्रतिदिन अस्पताल आ रहे हैं। हालांकि चीन का कहना है कि इससे डरने की जरूरत नहीं है। चीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में सांस संबंधी बीमारियों में वृद्धि फ्लू और अन्य ज्ञात रोगाणुओं के कारण हुई है, न कि किसी नए वायरस के कारण। चीन में श्वसन संबंधी बीमारियों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का ध्यान आकर्षित किया है। चीन में किसी बीमारी के मामले बढ़ना दुनिया को डराने वाला है। क्योंकि 2019 में कोविड-19 भी यहीं से शुरू हुआ था और पूरी दुनिया में फैल गया था। बाद में कोविड-19 ने महामारी का रूप ले लिया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के एक प्रवक्ता ने कहा कि श्वसन संबंधी संक्रमण के हालिया मामले इन्फ्लूएंजा वायरस, राइनोवायरस, रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस या आरएसवी, एडेनोवायरस के साथ-साथ माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया जैसे सामान्य जीवाणुओं के कारण हुए हैं, जो श्वसन पथ के संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। इस बीमारी के फैलने की सबसे बड़ी वजह में लगा सख्त लॉकडाउन का हटना है। तब से यह वहां पहली सर्दी है। जहां तक हम बच्चों में संक्रमण के बारे में जानते हैं, 5 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे को साल में 3-8 बार वायरल संक्रमण होता है और प्रत्येक संक्रमण के साथ वह इसके प्रति प्रतिरक्षित हो जाता है।

अमरीकी युद्धपोत सहित वाणिज्यिक जहाजों पर हमले

न्यूयार्क। लाल सागर स्थित अमरीकी युद्धपोत और कई वाणिज्यिक जहाजों पर हूती विद्रोहियों ने रविवार को हमले किये। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि हमला यमन के साना में सुबह लगभग 10 बजे शुरू हुआ और पांच घंटे तक चला।अमरीकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने बताया कि यमन के हूती विद्रोहियों ने दो जहाजों पर हमले का दावा किया, जिन्हें उसने इजराइल से संबंधित बताया। हालांकि, विद्रोहियों ने अमेरिकी नौसेना के जहाज को निशाना बनाने की बात स्वीकार नहीं की। यह हमला, पश्चिम एशिया में इजराइल-हमास युद्ध से जुड़े समुद्री हमलों की श्रृंखला में बड़ी वृद्धि होने को दर्शाता है। पेंटागन ने कहा, ''हम यूएसएस कार्नी और लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों की खबर से अवगत हैं और जैसे ही विस्तृत जानकारी उपलब्ध होगी, हम प्रदान करेंगे।'' इससे पहले, ब्रिटिश सेना ने लाल सागर में एक संदिग्ध ड्रोन हमला और विस्फोट होने की जानकारी दी थी। इस हमले को इजराइल-हमास युद्ध से जुड़े क्षेत्र पश्चिम एशिया में समुद्री हमलों की बढ़ती घटनाओं के रूप में देखा जा रहा है। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में जहाजों पर हमले किये जा रहे हैं। विद्रोही इजराइल को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल भी दाग रहे हैं।

एक माह के दौरान पाकिस्तान में 34 प्रतिशत बढ़े आतंकवादी हमले

इस्लामाबाद ।पाकिस्तान में एक माह में ही आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह आंकड़े केवल नवंबर महीने के हैं। जानकारी के अनुसार इस महीने देश में 63 आतंकवादी हमले हुए। एक थिंक टैंक की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मीडिया ने 'पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज' (पीआईसीएसएस) थिंक टैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि नवंबर में 63 आतंकवादी हमलों में 83 लोगों की मौत हुईं, जिनमें सुरक्षा बलों के 37 जवान और 33 आम नागरिक शामिल थे। थिंक टैंक के अनुसार, नवंबर में आतंकवादी हमलों में 53 आम नागरिकों और सुरक्षा बलों के 36 कर्मियों सहित 89 व्यक्ति घायल हुए। अक्टूबर के आंकड़ों की तुलना में, नवंबर में आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की वृद्धि, मृतक संख्या में 63 प्रतिशत की वृद्धि और घायल व्यक्तियों की संख्या में 89 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नवंबर में कम से कम 59 आतंकवादियों को मार गिराया और कम से कम 18 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। आंकड़ों पर ध्यान दें तो 2023 के पहले 11 महीनों में 2022 की इसी अवधि की तुलना में आतंकवादी हमलों में 81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान घायलों की संख्या में भी 64 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। जबकि जनवरी से नवंबर 2023 तक हुए 599 आतंकवादी हमलों में कुल 897 लोगों की मौत हुई और कुल 1,241 लोग घायल हुए। पाकिस्तान का अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत आतंकवादी हमलों से सबसे अधिक प्रभावित हुआ और वहां 51 हमलों में 54 लोगों की मौत हुई जबकि 81 लोग घायल हुए। बलूचिस्तान प्रांत में नौ हमले हुए जिनमें 18 लोगों की मौत हुई। इनमें सुरक्षा बलों के 15 जवान और तीन आम नागरिक शामिल थे।

गाजा में मरने वाले फिलीस्तीनियों की संख्या बढ़कर 15,523 तक पहुंची

गाजा ।हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 7 अक्टूबर से गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 15,523 तक पहुंच गई है। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-किदरा ने हाल ही में मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के पतन के बीच फिलिस्तीनी एन्क्लेव में घायलों की संख्या 41 हजार से अधिक हो गई है। अल-किद्रा ने कहा कि सैकड़ों घायलों का इलाज बेहद सीमित चिकित्सा संसाधनों के साथ जमीन पर किया जा रहा है, क्योंकि उत्तरी गाजा के अस्पताल आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल करने में असमर्थ हो गए हैं। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी के सभी अस्पताल अपनी क्षमता से अधिक भरे हुए हैं और गंभीर मामलों को संभालने के लिए आवश्यक सर्जिकल संसाधनों की कमी है। अल-कद्रि ने घायलों को विदेश में उपचार कराने की अनुमति देने की धीमी व्यवस्था की आलोचना करते हुए कहा कि इज़राइल और हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद से केवल 403 लोगों को गाजा पट्टी छोड़ने की अनुमति दी गई है। उन्होंने चिकित्सा आपूर्ति, दवाओं और ईंधन के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित मानवीय गलियारों की मांग दोहराई और घायलों व रोगियों को इलाज के लिए विदेश यात्रा की अनुमति देने के प्रयासों का आह्वान किया।

चर्बी से बने ईंधन का कमाल, विमान ने हजारों किमी का तय किया सफर

लंदन ।वैज्ञानिकों ने ईंधन का विकल्प ढूंढने में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने फैट यानी चर्बी से खास तरह का ईंधन बनाया जिससे विमान को हजारों किलोमीटिर उड़ाया है। इससे वैज्ञानिकों को काफी राहत दिखाई दे रही है। बता दें कि चर्बी से बने ईंधन में कार्बन का उत्सर्जन करीब 70 फीसदी तक कम होता है। इतना ही नहीं इस ईंधन से जरिए इन वैज्ञानिकों ने विमान उड़ाने में भी सफलता हासिल कर ली है। दरअसल जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिक जीवाश्म ईंजन यानी पेट्रोल-डीजल का विकल्प खोजने में जुटे हुए हैं। इस दिशा में काफी प्रगति भी हुई है। भविष्य में हाईड्रोजन को इसका एक अच्छा विकल्प भी माना जा रहा है। जबकि पूरी तरह से उच्च-वसा एवं कम उत्सर्जन वाले ईंधन से संचालित पहले वाणिज्यिक विमान ने मंगलवार को लंदन से न्यूयार्क की उड़ान भरी। इस दौरान इसने अटलांटिक महासागर को पार किया। इसे 'जेट जीरो' की संज्ञा दी जा रही है। विमानन कंपनी 'वर्जिन अटलांटिक' के बोइंग-787 विमान को जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किए बिना संचालित किया गया। उड़ान के लिए इस्तेमाल विमानन ईंधन अपशिष्ट वसा से बना था। इस मामले में वर्जिन के संस्थापक रिचर्ड ब्रैनसन का कहना है कि जब तक आप कुछ खास नहीं करते, दुनिया हमेशा यह मान कर चलती है कि ऐसा कुछ किया ही नहीं जा सकता। दरअसल ब्रैनसन खुद कॉर्पोरेट और सरकारी अधिकारियों, इंजीनियरों और पत्रकारों सहित अन्य लोगों के साथ विमान में सवार थे। ब्रिटेन के परिवहन विभाग ने उड़ान की योजना बनाने और संचालित करने के लिए 10 लाख पाउंड (12.7 लाख अमेरिकी डॉलर) यानी 1 अरब रुपये से अधिक दिए हैं। विभाग ने हवाई यात्रा को पर्यावरण के अधिक अनुकूल बनाने के लिए परीक्षण को 'जेट शून्य की दिशा में एक बड़ा कदम' करार दिया। हालांकि व्यापक रूप से इस तरह के ईंधन उत्पादन में अब भी कई बाधाएं हैं।

दुबई में सीओपी 28 विश्व जलवायु शिखर सम्मेलन में जीवाश्म ईंधन को समाप्त करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के सदस्य तख्तियां लिए हुए।

जीका वायरस से निपटने निडिल फी वैक्सीन एचडी-मेप बनकर तैयार

वाशिंगटन ।जीका वायरस से पिटने के लिए अब निडिल फी वैक्सीन एचडी मेप बनकर तैयार हो गई है। भारत समेत दुनिया के तमाम देशों के लिए अब 'जीका वायरस' से एक पैच छुटकारा दिलाएगा। मिली जानकारी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया की दो यूनिवर्सिटी जीका वायरस से बचाव के लिए 'निडिल फी वैक्सीन पैच' विकसित कर रही हैं। यह लगाने में बहुत आसान होगी। क्वींसलैंड और एडिलेड के ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं ने उच्च-घनत्व माइक्रोएरे पैच (एचडी-एमएपी) का उपयोग कर वैक्सीन का प्रोटोटाइप विकसित किया है। गौरतलब है कि एचडी-एमएपी हजारों छोटे सूक्ष्म प्रक्षेपणों के साथ त्वचा की सतह के नीचे प्रतिरक्षा कोशिकाओं तक वैक्सीन पहुंचाता है। एडिलेड विवि में एसोसिएट प्रोफेसर ब्रांका ग्रुबोर बाउक ने कहा कि यह पैच अद्वितीय है क्योंकि यह वायरस के बाहर के बजाय अंदर एक प्रोटीन को लक्षित करता है। यह टीका लगाने वाले लोगों में डेंगू बुखार के लक्षणों को नहीं बढ़ाएगा। एक शोधकर्ता डॉ. दनुष्का विजेसुंदरा ने कहा कि हम एचडी-एमएपी पैच के साथ जीका वायरस से लड़ने के तरीके को बदल सकते हैं। यह एक प्रभावी, दर्द रहित, लगाने में आसान और स्टोर करने में आसान टीकाकरण विधि है। विजेसुंदरा ने कहा कि मॉलिक्यूलर थेरेपी न्यूक्लिक एसिड जर्नल में प्रकाशित प्री-क्लिनिकल परीक्षण में वैक्सीन ने जीवित जीका वायरस के खिलाफ तेजी से सुरक्षा प्रदान की। एनएस 1 नामक एक विशिष्ट प्रोटीन को लक्षित किया, जो वायरस के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। शोधकर्ताओं ने कहा कि वैक्सीन पैच ने टी-सेल प्रतिक्रियाएं भी उत्पन्न कीं जो सुई या सिरिंज वैक्सीन डिलीवरी की तुलना में लगभग 270 प्रतिशत अधिक थीं। वहीं क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ केमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोसाइंसेज के डॉ. डेविड मुलर ने कहा कि माइक्रोएरे पैच और वैक्सीन में जीका वायरस से बचाने की क्षमता से परे लाभ हो सकते हैं। क्योंकि जिस प्रोटीन को हम लक्षित कर रहे हैं वह फ्लेविवायरस नामक वायरस परिवार में प्रतिकृति बनाने में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है, इसलिए डेंगू या जापानी एन्सेफलाइटिस जैसे अन्य फ्लेविवायरस को लक्षित करने के लिए हमारे दृष्टिकोण को लागू करने की क्षमता है।

खालिस्तान के मामले में बेवफा है अमेरिका, आतंकवाद पर करता है हिपोक्रेसी !

– 'मेरा आतंकवादी अच्छा है और तुम्हारा बुरा है' दृष्टिकोण बंद करना चाहिए : स–द्धद्दस्रद्दड्ड ऋद्धद्यड्डद्धद्रश्चद्व

वाशिंगटन (एजेंसी)। यह माना गया है कि अपने भू-राजनीतिक उद्देश्यों के लिए प्रमुख शक्तियों ने हमेशा चरमपंथियों, आतंकवादियों और अलगाववादियों को अपने हितों की पूर्ति के लिए अपने हथियार के रूप में रखा है। शासन परिवर्तन का एजेंडा पश्चिमी शक्तियों का पसंदीदा शगल रहा है। ऐसे उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए स्लीपर सेल भी एक प्रमुख संपत्ति है जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर सक्रिय किया जाता है। पश्चिमी देश इस विचारधारा का समर्थन करना जारी रखते हैं कि 'मेरा आतंकवादी अच्छा है और तुम्हारा बुरा है।'

अमेरिका भारत का वैश्विक व्यापक रणनीतिक साझेदार है और उसकी नजर भारत की रक्षा, आर्थिक और रणनीतिक स्थिति पर है, लेकिन वह इसे अपनी शर्तों पर चाहता है। देशों, विदेशी नेताओं और सरकारों को अस्थिर करने के लिए जो शक्ति और उपकरण आवश्यक हैं, वे उन पर एकाधिकार जमाना चाहते हैं या उन्हें केवल कुछ लोगों के पास ही रहने देना चाहते हैं, जैसे कि एनपीटी के मामले में - 'है और नहीं है'। जहां तक भारत का सवाल है, पन्नू और निज्जर उस टूलकिट में मोटे मोहरे हैं।

हाल ही में, हमने देखा कि कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने दावों को साबित करने के लिए बिना किसी सबूत के वांछित आतंकवादी निज्जर की हत्या के लिए भारतीय एजेंसियों पर कितनी तत्परता से आरोप लगाया। जैसे ही चीजें खड़ी हुईं, बिग ब्रदर द्वारा कुछ सुझाव दिए गए और कनाडा में उनके राजदूत ने इस तरह की अग्रणी लेकिन अविश्वसनीय और अपुष्ट जानकारी साझा करने का श्रेय लिया। जल्दबाजी में उन्होंने एक भारतीय अधिकारी को बाहर निकाला, जो कनाडाई अधिकारियों के साथ सुरक्षा मामलों के समन्वय के लिए दूतावास में तैनात थे। अविवेकपूर्ण सौदेबाजी में उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को सबसे निचले स्तर पर ला दिया है और खुद कनाडा को पाकिस्तान जैसे देशों की सूची में डाल दिया है, जो आतंकवादियों को पनाह देते हैं और चरमपंथियों को भारत को अस्थिर करने में सक्षम बनाते हैं। सीमा पार आतंकवाद उनकी विदेश नीति का एक साधन है। अब कुख्यात चरमपंथी, अलगाववादी और आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू का मामला आता है, जो कनाडा और अमेरिका दोनों का संयुक्त नागरिक होने के नाते आलीशान आतिथ्य और सुरक्षा का आनंद लेता है। पन्नून भारतीय राजनयिकों, भारत की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के लिए खतरा रहा है और लगातार भड़काऊ गतिविधियों और बयानों में लिप्त रहता है। हाल ही में एयर इंडिया के कनिष्क विमान को आतंकवादियों द्वारा मार गिराए जाने की बरसी पर, जिसमें मेरे एक प्रिय मित्र सहित बड़ी संख्या में भारतीय और कनाडाई लोग मारे गए थे, पन्नुन ने यात्रियों को एयर इंडिया से उड़ान न भरने की चेतावनी दी थी, जो एक बार फिर उनका लक्ष्य था।

जिहादियों ने लड़कियों की कमर तोड़-तोड़ कर किया सामुहिक बलात्कार, पुरुषों के भी प्राइवेट पार्ट को भी नहीं बख्शा, इजरायली जांच में खुलासा

वाशिंगटन (एजेंसी)। इजरायली जांचकर्ताओं का कहना है कि हमास ने 7 अक्टूबर को सिर्फ महिलाओं को ही नहीं बल्कि पुरुषों को भी प्रताड़ित किया। महिलाओं की कमर तोड़-तोड़ कर उनके सात सामुहिक बलात्कार किया गया। कार्यकर्ताओं के अनुसार, 7 अक्टूबर के क्रूर हमलों के बाद, इजरायली जांचकर्ताओं ने ऐसे सबूत उजागर किए हैं जो बताते हैं कि पुरुषों और महिलाओं दोनों ने हमास और इस्लामिक जिहाद आतंकवादियों द्वारा की गई यौन हिंसा और बलात्कार का अनुभव किया है। द डेली मेल की एक रिपोर्ट में, इज़राइल के सर्वाइवर्स ऑफ सेक्शुअल वायलेंस वकालत समूह के प्रवक्ता येल शेरर ने हमलों के दौरान दोनों लिंगों के खिलाफ यौन हिंसा की घटनाओं का समर्थन करने वाले भौतिक साक्ष्य और प्रत्यक्षदर्शी खातों की उपस्थिति पर प्रकाश डाला। शेली हारुश के नेतृत्व में की गई जांच, यौन हिंसा और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में इजरायली पुलिस द्वारा की गई अब तक की सबसे बड़ी जांच है। हारुश ने इस बात पर जोर दिया कि यौन अपराध स्पष्ट रूप से हमास आतंकवादियों की योजना का हिस्सा थे, जिसका उद्देश्य लोगों को डराना और अपमानित करना था। हारुश ने कहा, ÷पुलिस ने हजारों बयान, तस्वीरें और वीडियो क्लिप एकत्र किए हैं जिन्हें एक मां के नजरिए से देखना असहनीय बताया गया है और इसमें %जिन लड़कियों की श्रोणि टूट गई थी, उनके साथ इतना बलात्कार किया गया था% भी शामिल है।÷ नोवा म्यूजिक फेस्टिवल हमले में जीवित बचे योनी सादेन ने हमले के दौरान महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के भयावह कृत्यों को देखने का वर्णन किया। उनके विवरण में एक बेहद परेशान करने वाली घटना शामिल थी जहां एक महिला को नग्न होने से इनकार करने पर उसका सिर काट दिया गया था।

ज्वालामुखी फटने से तलहटी की ओर जा रहे 11 पर्वतारोहियों की मृत्यु

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर स्थित सबसे सक्रिय ज्वालामुखी माउंट मेरापी के फटने से 11 पर्वतारोहियों की मौत और कुछ लोगों के लापता की खबर हैं। सोमवार को एक बचाव अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया बताया कि बचाव के दौरान पहले चरण में, 49 पर्वतारोही पाए गए जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, और कुछ घर लौट आए। दूसरे चरण में, 14 लोग मिले, तीन बच गए और 11 अन्य की मौत हो गई।विस्फोट के बीच पर्वतारोही पहाड़ की तलहटी की ओर जा रहे थे।

अधिकारियों ने 75 पर्वतारोहियों की खोज के लिए लगभग 100 लोगों को तैनात किया है। समुद्र तल से 2,891 मीटर की ऊंचाई पर माउंट मेरापी की स?क्रियता से रविवार को 3,000 मीटर की राख का गुबार निकला। जो आसपास के क्षेत्र में फैल गईं।अधिकारियों ने मुख्य क्रेटर के 3 किलोमीटर के दायरे में लोगों को खतरे वाले क्षेत्र में जाने से रोक दिया है।

गौरतलब है कि मध्य जावा और योग्यकार्ता प्रांतों की सीमा पर स्थित, माउंट मेरापी में 1548 से नियमित रूप से विस्फोट होता रहा है। साल 2010 में एक बड़े विस्फोट में 353 लोग मारे गए और 20,000 से अधिक निवासी विस्थापित हुए। साल 2010 के बाद से, मेरापी ने कई छोटे विस्फोट हुए। इनमें से सबसे उल्लेखनीय दो फाइटिक विस्फोट हैं, जो नवंबर 2013 और मई 2018 में हुए थे। इसी साल जुलाई में मेरापी में महज 24 घंटे के अंदर 16 बार विस्फोट हुआ था।

आचानक खूनी लाल रंग में बदल गया आसमान, खतरे की आहट से घबराए लोग

लंदन (एजेंसी)। उलनबाटोर (ईएमएस)। मंगोलिया में शुक्रवार की सुबह आसमान अचानक गहरे खूनी-लाल रंग में बदलता देखा गया। हालांकि लोग इसे किसी गहरे खतरे की आहट मान रहे हैं। जानकार लोग इसे एक असाधारण खगोलीय प्रदर्शन घटना, औरोरा बता रहे हैं। जबकि वैज्ञानिकों ने इसे शनिवार को धरती से सौर तूफान के टकराने को जिम्मेदार बताया है। इस घटना ने लोगों को काफी आश्चर्यचकित कर दिया था। यह घटना, जिसे अरोरा के नाम से जाना जाता है, आमतौर पर ध्रुवों के करीब होती है और अक्सर हरे रंग की होती है। हालांकि मंगोलिया में देखे गए अरोरा एक आकर्षक लाल रंग के थे, जो पृथ्वी की सतह से 241 किलोमीटर ऊपर घटित हुआ था। यहां पर वायुमंडल बहुत पतला है, काफी ऊंचाई पर ऑक्सीजन के साथ सौर कणों की परस्पर क्रिया के कारण ये दुर्लभ घटना घटित हुई।

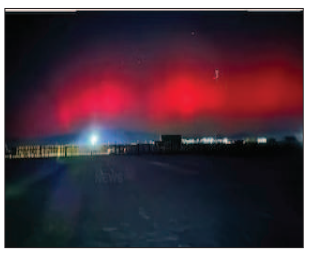

गौरतलब है कि लाल रंग की इस विशेष सेड को नॉर्दर्न लाइट्स या ऑरोरा बोरेलिस का सबसे असामान्य रंग माना जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि इस घटना के लिए सूर्य की मल्टीपल कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) के सौर तूफान का परिणाम था, जो 27 नवंबर, 2023 को घटित हुआ था। लाल अरोरा इन सौर कणों के ऊंचाई पर ऑक्सीजन के अणुओं से टकराने का परिणाम हैं। वैज्ञानिकों ने बताया कि इतनी अधिक ऊंचाई पर, ऑक्सीजन का घनत्व कम होता है, और टकराव काफी कम होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अधिक सामान्य हरे रंग की बजाय लाल रंग की रोशनी का उत्सर्जन होता है।

यह प्रक्रिया नियॉन रोशनी के काम करने के तरीके के समान है, जिसमें उत्तेजित गैस परमाणु अपनी जमीनी स्थिति में लौटने पर प्रकाश के फोटॉन छोड़ते हैं। मंगोलिया में लाल अरोरा की घटना ने वैज्ञानिकों को निचले अक्षांशों पर सौर तूफानों के प्रभावों का अध्ययन करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया है। हालांकि यह दृश्य मंत्रमुग्ध कर देने वाला हो सकता है, लेकिन यह सूर्य की अपार शक्ति और हमारे टेक्नोलॉजी आधारित समाज पर सौर मौसम के प्रभावों को दिखाता है।

हमास को आईडीएफ की चेतावनी : आत्मसमर्पण करें मृत कमांडर के भाग्य का सामना करें

तेल अवीव। हमास की शेजाया बटालियन को आत्मसमर्पण करने या बटालियन के मारे गए कमांडर विसम फरहत के भाग्य का सामना करने की इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार को चेतावनी दी। आईडीएफ प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल अविचाई अद्राई ने एक्स पर लिखा, यह फाइनल नोटिस है, आप सभी निशाने पर हैं। उन्होंने उस बटालियन के कमांडर की तस्वीरें भी साझा कीं जो उत्तरी गाजा के शेजाया इलाके से काम कर रही थी।आईडीएफ ने कहा कि सेना की 7वीं बख्तरबंद ब्रिगेड ने हमास के कई सदस्यों को मार गिराया है। आईडीएफ ने कहा कि उन्होंने जहाजों और सशस्त्र युद्ध केंद्रों सहित हमास के कई नौसैनिक प्रतिष्ठानों को भी नष्ट कर दिया है।

यूएस में गिरफ्तार किए गये 97000 भारतीय, गुजरात और पंजाब के सबसे ज्यादा लोगों ने की अवैध रुप से देश में घुसने की कोशिश

वाशिंगटन (एजेंसी)। नवीनतम अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (यूसीबीपी) आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करते समय रिकॉर्ड 96,917 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया था। हाल के वर्षों में ऐसी घुसपैठों के दौरान, विशेष रूप से खतरनाक मार्गों से होने वाली घुसपैठ में जानमाल की दुखद क्षति के बावजूद संख्या में पांच गुना वृद्धि देखी गई है।

2019-20 में 19,883 भारतीयों को पकड़ा गया। आंकड़ों के मुताबिक 2020-21 में 30,662 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया जबकि 2021-22 में यह संख्या 63,927 थी। इस साल अक्टूबर 2022 से सितंबर के बीच गिरफ्तार किए गए 96,917 भारतीयों में से 30,010 कनाडाई सीमा पर और 41,770 मेक्सिको की सीमा पर पकड़े गए।

गिरफ्तार किए गए लोगों को चार श्रेणियों के तहत वर्गीकृत किया गया है - साथ में रहने वाले नाबालिग (एएम), एक परिवार इकाई में व्यक्ति (एफएमयूए), एकल वयस्क और अकेले बच्चे (यूसी)। एकल वयस्क सबसे बड़ी श्रेणी बनाते हैं। वित्तीय वर्ष 2023 में 84,000 भारतीय वयस्क अवैध रूप से अमेरिका में दाखिल हुए। गिरफ्तार किए गए लोगों में 730 अकेले नाबालिग भी शामिल थे। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का कहना है कि ये आंकड़े केवल दर्ज मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और वास्तविक संख्या काफी अधिक होने की संभावना है। 'यह केवल एक ऊपरी हिस्सा है। सीमा पर पकड़े गए प्रत्येक व्यक्ति के लिए, कम से कम 10 अन्य लोग हो सकते हैं जिन्होंने सफलतापूर्वक अमेरिका में घुसपैठ की है। खतरनाक रास्ता अपनाने वालों में से कई राज्य के हैं। अवैध आव्रजन रैकेट की जांच कर रहे गुजरात पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''ये मुख्य रूप से गुजरात और पंजाब के लोग हैं जो अमेरिका में बसने की आकांक्षा रखते हैं।'' अधिकारी ने कहा सबसे गंभीर मामलों में से एक गांधीनगर के निवासी बृजकुमार यादव का था, जिन्होंने दिसंबर 2022 में ट्रम्प की दीवार को पार करके अमेरिका में घुसने का प्रयास किया था। दुखद रूप से, वह अपने बच्चे को पकड़े हुए तिजुआना के मैक्सिकन हिस्से में गिर गए और उनकी जान चली गई। उनकी पत्नी, पूजा, सैन डिएगो में अमेरिकी सीमा पर 30 फीट नीचे गिर गईं। परिणामस्वरूप, उनके तीन वर्षीय बच्चे को आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) की हिरासत में रखा गया था।

भारतीय अमेरिकी सीमा तक कैसे पहुँचते हैं?

सीनेटर जेम्स लैंकफोर्ड के अनुसार, ये लोग निकटतम हवाई अड्डे मेक्सिको तक पहुंचने के लिए फ्रांस जैसे देशों सहित लगभग चार उड़ानें लेते हैं, और फिर कार्टेल द्वारा किराए पर ली गई बस को सीमा तक ले जाते हैं ताकि उन्हें अंतिम बार छोड़ा जा सके। वितरण। 'तो वे कह सकते हैं, मुझे अपने देश में डर है,' लैंकफोर्ड ने कहा।

लैंकफोर्ड ने कहा, 'इस साल अब तक हमारे पास भारत से 45,000 लोग आए हैं जो हमारी दक्षिणी सीमा पार कर चुके हैं, कार्टेल का भुगतान कर चुके हैं, हमारे देश में घुस आए हैं और कहा है कि उन्हें अपने देश में भारत से डर लगता है।' लैंकफोर्ड ने अपनी बात कई बार दोहराई कि मेक्सिको में आपराधिक गिरोह दुनिया भर के प्रवासियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं कि क्या कहना है और कहां जाना है ताकि शरण प्रक्रिया में ÷खेल÷ किया जा सके और शरण की सुनवाई का इंतजार करते हुए देश में प्रवेश किया जा सके। लैंकफोर्ड ने कहा कि शरण शरणार्थी स्थिति के समान है। अंतरराष्ट्रीय कानून में भी ऐसा ही है। एक शरणार्थी डरे हुए स्थान की ओर भाग जाता है और एक शरणार्थी केंद्र में जाकर संयुक्त राष्ट्र से कहता है, 'मुझे अपने देश में उत्पीड़न का नाटकीय डर है,' और यदि वे ऐसा करते हैं, तो वे वास्तव में इसे यहां सहित पूरी दुनिया में साझा करते हैं। उन्होंने कहा 'हम यहां दुनिया भर से शरणार्थियों को लेते हैं। शरण चाहने वाले एक ही मानक पर हैं। उन्हें अगले सुरक्षित स्थान पर जाना होगा, वहां पहुंचना होगा और शरण का अनुरोध करना होगा। यह अंतरराष्ट्रीय मानक है, लेकिन हम यहां ऐसा नहीं करते हैं।

संपादकीय

विनती सुनने में देरी क्यों ?

ये सब हमारे अविवेक का परिणाम है काफी हद तक और न जाने कितनी ही घटनाएं अनगिनत ऐसी रोजमर्रा की जिंदगी में घटती है,लेकिन ये सब नासमझी का परिणाम भी होती है क्योंकि जीवन में समझपूर्वक,जागरूकतापूर्वक कुछ कदम उठाए जाएं तो काफी हद तक अनेकान्तवाद को अपनाकर इनसे बचने में सफल भी हो सकते हैं,धैर्य की कमी,अज्ञानता आदि कई कारण निमित्त बनते हैं इन सब के पीछे। हम समझकर जागरूकतापूर्वक काफी हद तक अपने प्रबल पुरुषार्थ के द्वारा सहनशीलता से उदय में आये कर्म को स्वयंकृत कर्म समझकर सहन कर सकते हैं,जिससे कर्मों से मुक्त हो सकते हैं,इसके सबसे ब उदाहरण एवं आदर्श मुनि गजसुकुमाल जी है,जिन्होंने अल्पवय में ही दीक्षा के प्रथम दिन अपने ससुर द्वारा माथे पर गीले चाम की पाल को बांधे जाने पर अपना स्वयंकृत कर्म का उदय समझकर समभाव से सहन कर मुक्तिश्री का वरण किया और भी कई उदाहरण ऐसे प्राप्त होते हैं हमें। कर्म की गति प्रबल पुरुषार्थ के द्वारा टाली जा सकती है काफी हद तक साधनामय पध्दति से सम्यक्दर्शन के द्वारा7 कर्मों का चित्र सचमुच ही विचित्र है जो

> कितने कितने जन्मों के साथ हमारे से जुड़ा हुआ हैं ।इस वर्तमान जीवन का ही सिर्फ नाता है यह गलत सोच कर आदमी बुद्धिमान होकर भी जीवन के इस सच को सही से नही समझ पाता है । जीवन के इस लंबे सफर में न धन साथ में जाता है न परिवार फिर भी क्यों व्यर्थ ढोने से कहां चूकते हैं हम यह भार ? इसलिए हमें स्थाई शांति व स्थाई सुख के पथ को ही अपनाना है और उसी दिशा में अपने चरणों को सदा गतिमान बनाना है । क्योंकि कर्म करना हमारे हाथ है लेकिन कर्मों का उदय सही निश्चित समय पर ही होता है और उस समय बिना धैर्य रखे समता सम्भाव से कर्म काटने की बजाय अज्ञानवश हम यह बोल देते है कि भगवान विनती सुनने में देरी क्यों करता है ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष **अर्थिक** पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक उत्सव में हिस्सेदारी लेंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सचेत रहें। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। भारी व्यय की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे।

सिंह आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। आर्थिक उन्नति के योग हैं। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। नए अनुबंध मिलेंगे। नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

धनु व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

मीन राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

बहुत कठिन है डगर संसद की.....

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद भाजपा के लिए संसद का रास्ता जितना आसान हो सकता है कांग्रेस और शेष विपक्ष के लिए उतना ही कठिन । क्योंकि भाजपा के लिए अब स्पर्द्धा कम हो गयी है जबकि कांग्रेस के लिए इंडिया गठबंधन को एकजुट बनाये रखना आसान नहीं रहा। कांग्रेस यदि तेलंगाना के बजाय मध्य प्रदेश या राजस्थान जीतती तो मुमकिन है कि परिदृश्य कुछ और होता,लेकिन ऐसा हो नहीं सका। कांग्रेस मध्य प्रदेश तो तीन साल पहले ही गंवा चुकी थी ,अब राजस्थान और छत्तीसगढ़ भी उसके हाथ से निकल गया।

लेखक राकेश अचल

पांच राज्य विधानसभाओं के चुनाव परिणामों ने नए साल में विपक्ष के लिए संसद की डगर को बहुत कठिन बना दिया है। अर्बन नक्सलियों के प्रचंड विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू चल गया और खानदानी जादूगर हार गए। हालाँकि चुनावों के सभी नतीजे अप्रत्याशित और अविश्वसनीय हैं ,लेकिन उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता । जनादेश तो होता ही शिरोधार्य करने के लिए है। देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के लिए जहा ये नतीजे आत्मपरीक्षण के लिए एक बड़ा अवसर हैं वहीं लोकसभा चुनाव के लिए बनाये गए आईएनडीआइए [इण्डिया] गठबंधन के लिए एक अग्निपरीक्षा।

इस समय देश विचारधाराओं के बजाय ऐसे मुद्दों पर विभाजित होता दिखाई दे रहा है जो नए नहीं है। नया सिर्फ इतना है कि देश, आजादी से पहले जहाँ खड़ा था ,आज भी वहीं खड़ा नजर आ रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि आजादी के पहले राजनीति प्रोडक्ट नहीं थी और उसके साथ किसी तरह की कोई गारंटी बाबस्ता नहीं थी । जो कुछ था वो एक संघर्ष से हासिल आजादी और एक संविधान था। मुझे हैरानी होती है कि जो राजनीति आजादी की लड़ाई के फौरन बाद देश में औंधे मुंह गिरी थी वही राजनीति आजादी के 75 साल बाद शीर्ष पर है। और इसकी वजह शायद विचारशून्यता ही हो सकती है।

मैंने कल ही कहा था कि अब त्रेता नहीं कलियुग है । अब हानि,लाभ,जीवन,मरण,जस,अपजस सब विधि के नहीं नृप के हाथ में हैं ,और ये आम चुनाव से पहले हुए सेमीफाइनल में साबित भी हो गया। अब जनता विधि के बजाय नृप पर ज्यादा भरोसा कर रही है। राजा की गारंटियां अपना असर दिखा रहीं हैं। कोई इसे स्वीकार करे या न करे ,इससे इन गारंटियों और नयी राजनीति पर कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क पड़ता है तो देश के उस मूल चरित्र पर पड़ता है जिसके लिए देश ,दुनिया में जाना -पहचाना जाता रहा है।

चुनावों में कौन ,किस वजह से हारा ,किस वजह से जीता इसका विश्लेषण राजनीतिक दल करें,ये काम हमारा नहीं है। क्योंकि राजनीति में हमारा कोई दखल नहीं है । यदि होता तो हम भी चुनाव लड़ रहे होते। हम तो जन्मजात वाच डॉग हैं हिंदी पट्टी में कांग्रेस के पास अब केवल हिमाचल प्रदेश है। ये प्रदेश इतना बड़ा है जितने हमारे सूबे के अनेक शहर हैं। हिमाचल की सत्ता में रहकर कांग्रेस पूरे देश से अपने लिए ताकत नहीं बटोर सकती । कांग्रेस के लिए दक्षिण की चार मीनार के दो दरवाजे बेशक खुल गए हैं लेकिन इनसे मिलने वाली ऊर्जा भी शेष भारत में कांग्रेस के मुरझाये पौधे को संजीवनी नहीं दे सकते।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद भाजपा के लिए संसद का रास्ता जितना आसान हो सकता है कांग्रेस और शेष विपक्ष के लिए उतना ही कठिन । क्योंकि भाजपा के लिए अब स्पर्द्धा कम हो गयी है जबकि कांग्रेस के लिए इंडिया गठबंधन को एकजुट बनाये रखना आसान नहीं रहा। कांग्रेस यदि तेलंगाना के बजाय मध्य प्रदेश या राजस्थान जीतती तो मुमकिन है कि परिदृश्य कुछ और होता,लेकिन ऐसा हो नहीं सका। कांग्रेस मध्य प्रदेश तो तीन साल पहले ही गंवा चुकी थी ,अब राजस्थान और छत्तीसगढ़ भी उसके हाथ से निकल गया। इसके लिए भाजपा ने कौन सा अनाम ऑपरेशन चलाया ,कोई नहीं जानता। मुमकिन है कि भविष्य में इण्डिया गठबंधन का नेतृत्व भी उसे छोड़ना पड़ जाये। क्योंकि अब गठबंधन के तमाम सदस्य कांग्रेस नेतृत्व को आँखें दिखने की स्थिति में आ गए हैं।

कांग्रेस के पास एक विरासत जरूर है लेकिन उसकी संगठनात्मक शक्ति लगभग समाप्त हो चुकी है। कांग्रेस के पास अब कोई ऐसा संगठनकर्ता नजर नहीं आता जो पार्टी के लिए नए सिरे से एक मजबूत संगठन खड़ा कर सके। सांगठन बनाना एक पूर्णकालिक काम है। संगठन के लिए ऐसे लोग होना चाहिए जो सत्ता लोलुप न हों। इस देश में कैडर पर आधारित वामपंथ का साम्राज्य समाप्त होते देखा है। देश अब कांग्रेस को संकुचित होते हुए देख रहा है ,और यदि कांग्रेस अब भी न सम्हली तो देश कांग्रेस को भी हासिये पर खड़ा होते देख सकता है। कांग्रेस का वजूद अब तक उस विचारधारा की वजह से बचा है जो उसे गाँधी-नेहरू से विरासत में मिली थी। कांग्रेसका नेतृत्व इस विरासत को नयी पीढ़ी को हस्तांतरित करने में नाकाम दिखाई दे रहा है।

आप अन्यथा ले सकते हैं किन्तु मेरा मानना है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस को अपने पांवों पर खड़ा करने की अनथक कोशिश की है। राहुल की कोशिशें यदि रंग नहीं ला पा रहीं तो उसकी एकमात्र वजह कांग्रेस की पुरानी पीढ़ी का सत्तालोलुप और सामंती होना है । कांग्रेस में अब कोई कामराज योजना की कल्पना नहीं कर सकता ।

तमाम बड़े राज्यों में कांग्रेस के पास जय और वीरू की जो जोड़ियां हैं वे उम्रदराज हो चुकीं हैं ,लेकिन नया नेतृत्व पनपने ही नहीं दे रहीं। कांग्रेस ये स्वीकार करने के लिए शायद तैयार नहीं है कि वो अब देश की सबसे प्रमुख विपक्षी पार्टी है। कांग्रेस जिस संघर्ष के रस्ते से देशवासियों के दिल में उतरी थी ,वो संघर्ष करने का माद्दा कांग्रेस के पास नहीं है।

क्या आप नहीं मानते कि आज देश में भाजपा को छोड़ जितने भी राजनीतिक दल हैं उनमें से अधिकांश कांग्रेस के गर्भ से उसके दम्भ की वजह से नहीं जन्मे ? देश में आज कांग्रेस की जितनी औरस संताने हैं उतनी जनसंघ या भाजपा की नही। देश में जितने भी समाजवादी राजनीतिक दल हैं उनके डीएनए में भी कहीं न कहीं,थोड़ी-बहुत कांग्रेस है। यहां तक की बहुजन समाजवादी पार्टी भी कांग्रेस का ही एक सह उत्पाद है। कांग्रेस में यदि कोई प्रभावी दलित नेता होता तो शायद बसपा जन्म ही न लेती। अब कांग्रेस खुद को सम्हालने के साथ ही यदि देश में बिखरे हुए विपक्ष को सम्हालने के लिए काम करे तो ही उसका वजूद बच सकता है। अन्यथा भाजपा और संघ की रणनीति के सामने कांग्रेस को ढेर होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। कांग्रेस विहीन भारत भाजपा और आरएसएस का ख्वाब हो सकता है ,लेकिन पूरे देश का नहीं। कांग्रेस विहीन भारत कैसा होगा इसका अनुमान आज लगना आसान नहीं है।

विजय पथ पर बढ़ती भाजपा को बधाई देने के साथ ही लगातार पराजित होती कांग्रेस के प्रति भी सहानुभूति है। राहुल गांधी के प्रति सहानुभूति है । राहुल ने पिछले दस साल में कांग्रेस को शक्तिशाली बनाने के लिए बहुत कुछ किया है।

लेकिन उस गरीब के पीछे जो लोग खड़े हैं वे ही उसके हितैषी नहीं हैं। राहुल विधानसभा चुनावों के नतीजों की समीक्षा करने हिमालय की किसी गुफा में जाएँ या विदेश के किसी रमणीक स्थल पर ये उनका निर्णय है। हम और आप तो फ़िलहाल अब सत्तारूढ़ भाजपा के नए प्रहसनों से मनोरंजन करें तो बेहतर है ।भाजपा के पास एक से बढ़कर एक मनोरंजक कार्यक्रम हैं।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में उद्योग क्षेत्र का बढ़ता योगदान

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही, जुलाई-सितम्बर 2023, के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के आंकड़े भारत सरकार द्वारा जारी कर दिए गए हैं। इस वर्ष द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर विभिन्न वित्तीय संस्थानों द्वारा लगाए गए अनुमानों से बहुत ऊपर रही है। विभिन्न अर्थशास्त्रियों द्वारा दिए गए 6.8 प्रतिशत के अनुमान से बहुत अधिक अर्थात यह वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत की रही है, जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की द्वितीय तिमाही में 6.2 प्रतिशत की रही थी। भारत में इस वर्ष द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में दर्ज की गई वृद्धि की तुलना में अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में तिमाही के दौरान वृद्धि दर बहुत कम रही है। फिलिपींस में 5.9 प्रतिशत, रूस में 5.5 प्रतिशत, वियतनाम में 5.33 प्रतिशत, अमेरिका में 5.2 प्रतिशत, चीन में 4.9 प्रतिशत, मलेशिया में 3.3 प्रतिशत, थाईलैंड में 1.5 प्रतिशत, ब्रिटेन में 0.6 प्रतिशत, यूरो क्षेत्र में 0.1 प्रतिशत, जर्मनी में रिणात्मक 0.4 प्रतिशत एवं जापान में रिणात्मक 2.1 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज की गई है। इस प्रकार भारत पूरे विश्व में लगातार सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

हर्ष का विषय तो यह है कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में जुलाई-सितम्बर 2023 तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर में मुख्य योगदान उद्योग क्षेत्र का रहा है। भारत के उद्योग क्षेत्र ने इस दौरान 13.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है, जो कि हाल ही के समय में अपने आप में एक रिकार्ड है। वित्तीय वर्ष 2022-23 की द्वितीय तिमाही, जुलाई-सितम्बर 2022 के दौरान उद्योग क्षेत्र ने रिणात्मक 0.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की थी। उद्योग क्षेत्र के अंतर्गत, विनिर्माण क्षेत्र ने 13.9 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है जो पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान रिणात्मक 3.8 प्रतिशत थी। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र ने 10.1 प्रतिशत की वृद्धि दर, माइनिंग क्षेत्र ने 10 प्रतिशत, कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने 13.3 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है। इन समस्त क्षेत्रों में रिकार्ड वृद्धि दर से भारत में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हुए हैं, जिसके चलते बेरोजगारी की दर में भी कमी दृष्टिगोचर हुई है।

भारत में प्रत्येक वर्ष अक्टोबर-नवम्बर माह में दीपावली एवं अन्य कई महत्वपूर्ण त्यौहारों का मौसम रहता है। इन त्यौहारों के दौरान भारत के नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों की भारी मात्रा में खरीददारी की जाती है। ऐसा आभास है कि अकटोबर-नवम्बर में पड़ने वाले विभिन्न त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए जुलाई-सितम्बर 2023 तिमाही में ऑटोमोबाइल, फिज, टीवी, मोबाइल फोन, आदि जैसे विभिन्न उत्पादों का भारी मात्रा में उत्पादन विनिर्माण इकाईयों द्वारा किया गया है। जिसके चलते इस तिमाही में विनिर्माण इकाईयों ने भारी भरकम 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। भारत में कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने भी रफ्तार पकड़ ली है, जिसके चलते इस क्षेत्र में आकर्षक 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर ली गई है। अकटोबर 2023 माह में भी कोर क्षेत्र के उद्योगों ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है।

इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के चलते देश के कई क्षेत्रों में मानसून की बारिश ठीक तरह से नहीं हो पाई है। इसका विपरीत प्रभाव कृषि क्षेत्र पर स्पष्टत- पड़ता हुआ दिखाई दिया है। कृषि क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में केवल 1.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है, जो कि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.5 प्रतिशत की रही थी। भारत में कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिये जाने की अत्यधिक आवश्यकता है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पूरे विश्व में ही खाद्य उत्पादों की भारी कमी महसूस की जा रही है। भारत, इस स्थिति का लाभ उठा सकता है एवं पूरे विश्व को ही खाद्य पदार्थों की आपूर्ति कर सकता है। रबी मौसम की बुआई का कार्य प्रगति पर है। यदि खाद्य पदार्थों की बुआई के क्षेत्रफल में भारी विस्तार किया जा सके तो खाद्य पदार्थों के उत्पादन में भारी वृद्धि की जा सकती है। आज पूरा विश्व ही खाद्य पदार्थों के लिए भारत की ओर टकटकी लगाए है एवं आशाभरी नजरों से भारत की ओर देख रहा है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में सेवा क्षेत्र में रिकार्ड की गई वृद्धि दर ने जरूर निराश किया है। इस दौरान सेवा क्षेत्र ने 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज की गई वृद्धि दर 9.4 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। इस वर्ष द्वितीय तिमाही में हासिल की गई वृद्धि दर से आश्चर्य भी हुआ है क्योंकि विभिन्न बैकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों में वृद्धि दर लगातार दहाई के आंकड़े पर बनी हुई है, होटल लगातार अपनी स्थापित क्षमता का भरपूर उपयोग करते हुए दिखाई दे रहे हैं, रेल्वे एवं हवाई जहाज का उपयोग भी लगातार उच्चतम स्तर पर बना हुआ है। फिर भी, वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र ने 6 प्रतिशत एवं व्यापार एवं होटल क्षेत्र ने 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। इसी प्रकार निजी क्षेत्र में अंतिम उपभोग में भी केवल 3.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। भारत को यदि शीघ्र ही विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना है तो भारत के निजी क्षेत्र के लिए अपने उपभोग में वृद्धि करना अब आवश्यक हो गया है।

यह तो सरकारी क्षेत्र के अंतिम उपभोग में भारी भरकम 12.4 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई है, एवं केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में भारी भरकम वृद्धि रही है जिसके चलते देश में पूंजी निर्माण में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जो अंततः इस तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के पीछे मुख्य कारक बन गया है। आगे आने वाले समय में लोक सभा चुनावों को देखते हुए सम्भवतः केंद्र सरकार के अंतिम उपभोग में और अधिक वृद्धि होने की सम्भावना है एवं इस दौरान केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय भी अभी और तेजी से बढ़ेगा जिसके कारण वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय एवं चतुर्थ तिमाही में भी सकल घरेलू उत्पाद में आकर्षक वृद्धि दर रहने की भरपूर सम्भावना है। साथ ही, इस वर्ष नवम्बर 2023 माह में दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के चलते लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दर्ज हुआ है तथा देश में विभिन्न तीर्थ स्थलों पर भारी मात्रा में भारतीय नागरिक धार्मिक पर्यटन करते हुए दिखाई दे रहे हैं और आगे आने वाले माह में देश में शादियों के मौसम के चलते भी नागरिकों के खर्च में भारी भरकम वृद्धि होगी, इसका प्रभाव, तृतीय तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर पर भी देखने को मिलेगा। कुल मिलाकर भारतीय सनातन संस्कृति के पालन (धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए जाते भारतीय, विभिन्न भारतीय त्यौहारों को बड़े उत्साह से मनाते भारतीय) से भी भारतीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के बाद अब द्वितीय तिमाही में भी 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। अब तो पूरा विश्व ही आश्चर्य कर रहा है भारत विभिन उत्पादों के लिए अपनी आंतरिक मांग के आधार पर अपने सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि दर हासिल कर रहा है एवं इस दृष्टि से भारत की विदेशी व्यापार पर निर्भरता बहुत ही कम है।

(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

विचार मंथन

बड़े-बड़े दिग्गज चुनाव हार गये

(लेखक - सनत जैन)

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आ चुके हैं। इसमें सबसे ज्यादा आश्चर्यजनक चार राज्यों के चुनाव परिणाम रहे हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के साथ-साथ तेलंगाना के कई बड़े दिग्गज चुनाव में बुरी तरह से पराजित हुए हैं। राजस्थान में विधानसभा के अध्यक्ष सीपी जोशी चुनाव हार गए। अशोक गहलोत सरकार के 25 में से 17 मंत्री चुनाव हार गए हैं। जो बड़े नेता चुनाव हारे हैं उनमें विपक्ष के नेता राजेंद्र राठौड़ और उप नेता सतीश पूनिया भी हारने वाले नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं। पुनिया कुछ दिन पहले तक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने अपने 7 सांसदों को चुनाव मैदान में उतरा था। इनमें से तीन सांसद चुनाव मैं पराजित हो गए हैं। मध्य प्रदेश में भी कई बड़े दिग्गज नेता चुनाव हार गए हैं। कृषि मंत्री कमल पटेल उद्योग मंत्री राजवर्धन सिंह दत्ती गांव हार गए हैं। गृहमंत्री नरोतम मिश्रा की हार सबसे ज्यादा आश्चर्यजनक रही है। केंद्रीय मंत्री और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और सांसद गणेश सिंह भी विधानसभा का चुनाव हार गए हैं। कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह भी लहार से चुनाव हार गए हैं। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव विधानसभा चुनाव हार गए हैं। दुर्ग में भारतीय जनता पार्टी के सांसद विजय बघेल अपना चुनाव हार गए हैं। मध्य प्रदेश के जो चुनाव परिणाम आए हैं, उसमें कांग्रेस पार्टी की दूसरी पीढ़ी के लगभग सभी नेता चुनाव हार गए हैं। चुनाव परिणाम से यह साबित हो गया है कि कांग्रेस की दूसरी पीढ़ी के नेता चुनाव हारने के बाद नेपथ्य में चले गए हैं। पांचो राज्यों के जो चुनाव परिणाम आए हैं, वह सभी को आश्चर्यचकित कर रहे हैं। विशेष रूप से मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव परिणाम को लेकर आम जनता को भी विश्वास नहीं हो पा रहा है कि इस तरीके के चुनाव परिणाम आ सकते हैं। पांच राज्यों की विधानसभा चुनाव में एग्जिट पोल भी बुरी तरीके से फ़्लॉप साबित हुए हैं। मध्य प्रदेश में जिस तरह से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ है, वह आश्चर्यचकित करने वाला है। यहां पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। यह माना जा रहा था कि इस बार मतदाताओं में महंगाई और बेरोजगारी को लेकर नाराजगी है। मतदान के पूर्व मतदाताओं की नाराजी स्पष्ट रूप से जमीनी स्तर पर देखने को मिल रही थी। उसके बाद भी जिस तरीके के चुनाव परिणाम आए हैं, उसने सभी को आश्चर्य में डाल दिया है। भाजपा ने 3 माह पहले 39 सीटों पर अपने उम्मीदवार घो षित कर दिये थे। उनमें से 24 उम्मीदवारों ने चुनाव जीत लिये हैं। कुछ सीटों पर 20 से 30 साल की समयाव धि

में भाजपा ने यह सीटें नहीं जीती थी, जो इस चुनाव में जीत ली है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर पांच राज्यों के चुनाव परिणाम को लेकर लोग आपस में आश्चर्यजनक चुनाव प रिणामों की चर्चा कर रहे हैं।

यूं छुड़ाएं बच्चे का अंगूठा चूसना

बच्चों का अंगूठा चूसना एक स्वाभाविक प्रवृति है, लेकिन शिशु जब बड़ा होने लगे, तो उसकी इस प्रवृत्ति पर नजर रखना बहुत जरूरी है अन्यथा वे किशोरावस्था आने तक अंगूठा चूसते रहते हैं। यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा यह प्रवृत्ति छोड़े, तो आजमाइए ये टिप्स -

- बच्चे को किसी तरह का कोई तनाव न हो, इस बात का ध्यान रखें।
- शैशव अवस्था में शिशु को गोद में बिठाकर लाड़ प्यार करें।
- अपने शिशु को स्तनपान कराने में कोताही न बरतें। उसका स्तनपान धीरे-धीरे छुड़ाएं।
- बच्चे की उपेक्षा न करें और न ही उसमें किसी तरह का भय पनपने दें।
- बच्चे में सुरक्षा की भावना पैदा करें।
- मारें-पीटें नहीं और न ही उसके हाथ बांधें।
- यदि उसके मित्र अंगूठा चूसने वाले हैं, तो उनके साथ खेलने न दें।
- उसकी आवश्यकताओं, अपेक्षाओं और जरूरी मांगों को पूरा करें।
- बच्चे की बातों को अनसुनी न करें अपितु धैर्यपूर्वक और सहानुभूति से सुनें।
- यदि बच्चे में कोई हीन भावना व्याप्त हो तो उसे दूर कर उसका आत्मविश्वास बढ़ाएं।
- बच्चे को सृजनात्मक गतिविधियों से जोड़ें और उसे व्यस्त रखें।
- उसे इस बात का अहसास कराएं कि अब वह बड़ा हो रहा है और बड़े बच्चे अंगूठा नहीं चूसते।
- यदि दिनभर में उसने अंगूठा नहीं चूसा, तो इसके लिए उसे शाबाशी दें।
- जब बच्चा अंगूठा चूस रहा हो तो, उसे आइना दिखाएं कि कितना भद्दा लग रहा है वह।

घर के इन हिस्सों में बना सकते हैं ऑफिस

अपने घर के किसी एक खास हिस्से को ऑफिस में कन्वर्ट कर सकती हैं। सबसे पहले आपको देखना होगा कि घर में खाली स्थान कौन सा है। ऐसी जगह जो काम में नहीं आ रही। अगर आपका ऑफिस वर्क कुछ ही घंटों का है तो आप अपने स्टडी और लिविंग स्पेस में भी पार्टिशन कर सकती हैं। यदि आपका काम ज्यादा समय का है तो आपको घर में ही एक अलग स्थान की तलाश करनी होगी। आप अपने स्टोर रूम, गैरेज, घर के बेसमैंट या एक्स्ट्रा बॉलकनी को रैनोवेट करवा कर उसे ऑफिस की तरह यूज कर सकती हैं।

फर्नीचर हो कम्फर्टेबल

घर में खोले जाने वाले ऑफिस का फर्नीचर कम जगह घेरने वाला और कम्फर्टेबल होना चाहिए। अपनी ऑफिस टेबल के लिए कांपैक्ट साइज के कंप्यूटर, की-बोर्ड और स्मार्ट चेयर का चुनाव करें। ऑफिस में सामान व्यवस्थित रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा अलमारियां और कैबिनेट होने चाहिएं। थोड़ी सी जगह खाली भी रहे, इस बात का खास ध्यान रखें। ऑफिस बनाने के लिए आपको एक ऐसे कमरे का चुनाव करना होगा, जहां आप डिस्टर्ब न हों। आप खुद को घर से अलग महसूस कर सकें और घर में होने वाली आवाजें आपके काम में दखल न डालें।

जीवन में आगे बढना है तो आपको महत्वाकांक्षी तो होना ही होगा, परंतु वह इतना ज्यादा भी न हो कि आपके सही लक्ष्य के आड़े आ जाए। जीवन में छोटी-छोटी सफलताओं को प्रगति का पायदान बना लें, इससे आपको संतुष्टि मिलेगी और बड़ी सफलता भी एक दिन मिल ही जाएगी।

अपने गुणों से न रहें बेखबर

चांदनी ने बचपन से ही इंटीरियर डैकोरेटर बनने का ख्वाब देखा था और उसने अपना ख्वाब पूरा भी किया। आज वह अपने छोटे से शहर में नंबर एक इंटीरियर डिजाइनर मानी जाती है, परंतु उसे इस बात का दुख है कि फैमिली के प्रतिबंध के कारण वह किसी बड़े शहर में अपनी पहचान नहीं बना सकी, जहां उसकी काबिलियत एक बड़े स्तर पर पहचानी जाती या नामी इंटीरियर्स की तरह उसके चर्चे भी समाचारपत्रों और मैगजीन इत्यादि में होते, जबकि उसके साथियों को वह मुकाम हासिल है। रचना साधारण रूप-रंग की है, परंतु अपनी लिखी कविताओं से वह दोस्तों और रिश्तेदारों में काफी प्रसिद्ध है। अपने साधारण रूप-रंग से उत्पन्न हुई कुंठा से उसने अपनी ही प्रतिभा को एक दायरे में सीमित कर लिया है। यहां तक कि वह किसी मुशायरे में बुलाने पर भी नहीं जाती कि लोग उसका मजाक उड़ाएंगे। जब लोग उसकी कविताओं की प्रशंसा करते हैं, तो उसे लगता है कि वह उसकी साधारण रंगत का मजाक उड़ा रहे हैं और वह अपने में और ज्यादा सिमट जाती है।

शिकवा है ये झूठा

चांदनी और रचना दो उदाहरण हैं ऐसी लड़कियों की जो अपने करियर या पर्सनैलिटी को लेकर किसी न किसी हीन भावना में घिरी रहती हैं। ऐसी अनेक युवतियां हैं, जिन्हें जिंदगी से इस बात की शिकायत रहती है कि उनके हिस्से में सबसे ज्यादा परेशानियां और दुख आए हैं। वह कुछ और हो सकती थी, परंतु जिंदगी ने उन्हें वह मौका ही नहीं दिया।

अपने अवगुण आते नजर

किसी दूसरे की तो बात ही छोड़ो, इन्हें अपने में अवगुण इतने ज्यादा नजर आने लगते हैं कि इनके साए सोच पर गहराने लगते हैं, क्योंकि अपने वे गुण जो इन्हें दूसरों से अलग बनाते हैं, इन्हें नजर नहीं आ पाते। जब यह सोच अपनी पैठ बना ले कि हमारा कोई काम ठीक से नहीं हो पाता, तो आप अपनी बात दूसरों के सामने कैसे रख पाएंगे या फिर नए आइडियाज कैसे आ पाएंगे। दूसरों की अपेक्षा अपनी ही आलोचना आपका मनोबल तो गिराती है और इससे प्रभावित होने लगते हैं हमारे आस-पास के लोग। इसके लिए जरूरी है कि वे शिकवे जो जिंदगी से लेकर अपने आप तक से हम किए बैठे हैं उन्हें दरकिनार कर अपनी क्षमताओं तथा विश्वास को पहचानें तथा उन्हें नए नजरिए से लोगों के सामने रखें। एक छोटे शहर में रहते हुए लोगों को इंटीरियर डैकोरेशन के महत्व से अवगत कराना अपने-आप में बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि बड़े शहरों के लोग तो पहले से ही इसे जानते हैं। या फिर रूप-रंग पर साहित्य का मुलम्मा जब चढ़ता है तो वह व्यक्तित्व को पहले से कहीं ज्यादा निखार देता है।

पहचानें खुद को

अपनी खूबियों को पहचानें और यह सोचें कि सीमित साधनों में भी आप क्या कर सकती हैं। फिर भी आपको स्वयं में कोई कमी नजर आए तो हीन भावना का शिकार बनने की अपेक्षा अपना ध्यान खुद को अपडेट करने की तरफ लगा दें और अपने प्रोफैशन और रुचि के लिए नए-नए तरीके खोजें।

महत्वाकांक्षा की लगाम न खींचें

जीवन में आगे बढ़ना है तो आपको महत्वाकांक्षी तो होना ही होगा, परंतु वह इतना ज्यादा भी न हो कि आपके सही लक्ष्य के आड़े आ जाए। जीवन में छोटी-छोटी सफलताओं को प्रगति का पायदान बना लें, इससे आपको संतुष्टि मिलेगी और बड़ी सफलता भी एक दिन मिल ही जाएगी।

सफलता के मायने

बैंक बैलेंस और बड़ा-सा बंगला सफल होने की निशानी नहीं है बल्कि जिस प्रोफैशन में आप आई हैं, उसमें धीरे-धीरे बढ़ते हुए नाम कमा लेना ही सफलता के मायने हैं, क्योंकि इसने आपकी पर्सनैलिटी और आपके नाम को एक पहचान दी है। किसी भी करियर में सफल होने के लिए आप उससे जुड़ी नई जानकारियां हासिल करती रहें और यदि किसी कारणवश आप अपने प्रोफैशन से जुड़ी उच्च शिक्षा नहीं प्राप्त कर पाईं तो अब एक बार फिर से उसके लिए प्रयास करें, ताकि आपकी उन्नति के रास्ते बन सकें। दुनिया में महान व्यक्ति वही माना जाता है जो विषम परिस्थितियों के बावजूद अपने जीवन को बेहतर बना सकता है। अपनी सोच को पॉजीटिव बनाएं।

महके गुणों की खुशबू

यदि नकारात्मक टिप्पणी करने वाले लोग हैं, तो ऐसे लोग भी हैं जो आपकी खामियों के साथ खूबियों की भी तारीफ करना जानते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करें जो जीवन के प्रति पॉजीटिव अप्रोच रखते हों, क्योंकि उनका साथ आपको भी आशावादी बनाएगा।

सहेज लें मीठे पल

कभी किसी की कोई बात आपके मन को छू जाए, कोई प्रशंसा के मधुर बोल बोल जाए, कभी बड़ों का सहज ही आशीर्वाद मिल जाए या कोई उम्मीद से परे थैंक यू बोल जाए तो इन्हें डायरी में नोट कर लें। अपनी उपलब्धियां, यादें, रिश्तों की महक, जीवन के सुख-दुख और पेरैंट्स की डांट और प्रशंसा सब लिखें। जब जीवन में निराशा या कोई असफलता परेशान करे तो उसे पढ़ लें आपके होंठों पर मुस्कान ही नहीं आएगी, बल्कि कुछ कर दिखाने की प्रेरणा भी मिलेगी।

विंटर में खाएं रोस्टेड आलू

सामग्री - छोटे आलू - 250 ग्राम उबले हुए, तेल - 2 टेबल-स्पून, तंदूरी मसाला - 1-1 टी-स्पून, चाट मसाला और लाल मिर्च पाऊडर, आधे नींबू का रस, स्वादानुसार नमक, गार्निशिंग के लिए हरा धनिया और प्याज के रिंग्स

विधि - तंदूरी मसाला, चाट मसाला, लाल मिर्च पाऊडर, तेल, नींबू का रस, काली मिर्च पाऊडर और नमक को मिला कर इसमें आलू को 4-6 घंटे के लिए मेरिनेट करें, फिर चिकनाई लगी सींक पर लगाकर ग्रिल कर लें। हरा धनिया व प्याज के रिंग्स से गार्निशिंग करके गर्म-गर्म सर्व करें।

बच्चों को सिखाएं इज्जत करना

बच्चे अपने से बड़ों की बातों का बहुत जल्दी अनुकरण करते हैं। अगर आप झूठ बोलेंगे, घर में अपने से बड़ों का आदर नहीं करेंगे या लड़ाई-झगड़ा करते हुए अपशब्दों का प्रयोग करेंगे तो आपको ऐसा करते देख आपका बच्चा भी वही सीखने लगेगा। उदाहरणत- यदि आप अपने पेरैंट्स से ठीक व्यवहार नहीं करते तो कल आपका बच्चा भी आपके साथ वही सब कुछ करेगा। कुछ माता-पिता की यह भी आदत होती है कि वे तकरीबन हर छोटी से छोटी बात में भी अपने बच्चे का नुक्स निकालते रहते हैं, उन्हें रोकते-टोकते रहते हैं जो गलत है।

अगर आप सच में अपने बच्चों से इज्जत चाहते हैं तो उनकी सोच, भावनाओं, उनकी बातों और इच्छाओं का ख्याल रखना जरूरी है ताकि वे भी आपको समझ सकें। अक्सर ऐसा होता है कि पेरैंट्स अपने बच्चों की परीक्षा या किसी कॉम्पीटीशन के रिजल्ट को लेकर काफी उत्सुक होते हैं। जब वही परिणाम उनकी आशा के अनुरूप नहीं आता तो वे उन्हें बुरा-भला सुनाने लगते हैं। उनकी दूसरे बच्चों से तुलना भी शुरू कर देते हैं कि फलां का बेटा फर्स्ट आया है, हमने तुम्हें किस चीज की कमी रखी थी जो तुम कोई डिवीजन नहीं ला पाए।

आप बच्चों को डांटने की बजाय उनमें एक नया जोश जगाएं कि कोई बात नहीं, अगली परीक्षा में तुम जरूर अव्वल आओगे। इस प्यार भरे प्रोत्साहन से बच्चे पर जादू-सा असर होता है। अत- बच्चों में आपसी तुलना करने की बजाय उन्हें प्रोत्साहित करें। बच्चों में अच्छे संस्कारों का प्रसार करें क्योंकि संस्कार ही हमारी परम्पराओं को अभिव्यक्त करते हैं। चाहे कोई भी धर्म हो, सब में अपने से बड़ों का आदर और छोटों को प्यार की सीख दी जाती है।

उनमें कटुता और हिंसा जैसे विचार न पनपने दें। प्राय- जब बच्चे के करियर की बात आती है तो पेरैंट्स उसे अपनी पसंद का विषय चुनने की स्वतंत्रता अवश्य दें परन्तु उसका साथ देते हुए उस विषय से संबंधित वर्तमान-भविष्य की जानकारी भी उपलब्ध कराएं। उसे बताएं जो करियर उसने चुना है उसमें भविष्य की क्या संभावनाएं हैं। हर मां-बाप यही सोचते हैं कि पढ़ना बहुत जरूरी है चाहे उनके बच्चे की रुचि डांस या कला में हो।

अक्सर ऐसा सुनने को मिलता है कि जब देखो डांस करते रहते हो या ड्राइंग करते रहते हो, पढ़ाई कब करोगे? इससे अशांत होकर बच्चे किसी तरफ भी अपना मन नहीं लगा पाते और पेरैंट्स के प्रति वितृष्णा से भर जाते हैं। अत- उनकी रुचियों को जागृत करें व उस क्षेत्र में उन्हें आगे बढने के लिए पूरा सहयोग दें जिसमें उनकी रुचि हो। कुछ पेरैंट्स की यह आदत होती है कि बच्चों को हमेशा डांटते-फटकारते रहते हैं और उनके कामों में नुक्स भी निकालते रहते हैं। इससे बच्चे चिड़चिड़े हो जाते हैं और हमेशा कटे-कटे से रहते हैं।

ऐसे में उनकी अच्छाइयों को आगे लाते हुए प्रोत्साहित करें। बच्चों को जब भी डांटें, उसकी कोई ठोस वजह जरूर हो ताकि बच्चा भी समझ जाए कि वाकई उसकी गलती पर उसे डांट पड़ी है। सबसे गंभीर समस्या जो अक्सर परिवारों में देखने को मिलती है वह है बच्चों के माता-पिता घर में अपने बुजुर्गों का आदर और सेवा नहीं करते व उनके बारे में अनाप-शनाप बोलते रहते हैं। कई तो अपने बूढ़े मां-बाप को वृद्धाश्रम तक का रास्ता भी दिखा देते हैं।

जब बच्चे अपने घर में यह सब होता देखते हैं तो उनके कोमल मन पर इन बातों का बुरा प्रभाव पड़ता है। अपने माता-पिता की देखा-देखी में वे भी तमीज का दायरा तोडने लगते हैं। बात-बात पर ऊंचा बोलना, हरेक के आगे जवाब देना, मुंहफट और उग्र व्यवहार उनके व्यक्तित्व पर बिगड़ैल बच्चे का ठप्पा लगा देता है। ऐसे में पेरैंट्स को चाहिए कि वे अपने बुजुर्गों के प्रति उदार रवैया अपनाएं और उनके प्रति सम्मान दर्शाते हुए उनकी हर जरूरत का ध्यान रखें। अगर पेरैंट्स उपरोक्त बातों पर काबू पा लें और बच्चों के लालन-पालन में धैर्य और शांति रखेंगे तो हर काम सकारात्मक रूप से अच्छा होगा। बच्चों पर आपकी इन अच्छाइयों का प्रभाव यह होगा कि वे समझदार तो बनेंगे ही साथ में माता-पिता के रूप में आपको सम्मान पूरा देंगे।

गूगल ने जेमिनी एआई की लांचिंग अगले साल तक टाली

सैन फ्रांसिस्को । गूगल ने ओपनएआई के साथ प्रतिस्पर्धा करने के उद्देश्य से कन्वर्सेशनल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जेमिनी के लॉन्च को अगले साल जनवरी तक के लिए टाल दिया है। सूत्रों के अनुसार कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और वाशिंगटन में अगले हफ्ते होने वाले जेमिनी इवेंट्स की एक सीरीज को गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने रद्द कर दिया है। कंपनी ने पाया कि एआई ने कुछ नॉन-इंग्लिश क्वेरीज का सही जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अपकमिंग इवेंट्स, जिनकी सार्वजनिक रूप से घोषणा नहीं की गई थी, गूगल के वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण प्रोडक्ट लॉन्च को चिह्नित करेंगे, क्योंकि इसने अपने कंप्यूटिंग संसाधनों पर दबाव डाला और ओपनएआई को तत्काल आगे बढ़ाने के लिए बड़ी टीमों का विलय किया। जेमिनी को एप्लीकेशन्स की वाइड रेंज को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है, जो ज्यादा एडवांस टास्क के लिए इमेज और टेक्स्ट जैसे विभिन्न प्रकार के डेटा को मर्ज करता है।

कल्पतरु प्रोजेक्ट को मिले 2,263 करोड़ के ठेके

नई दिल्ली । कल्पतरु प्रोजेक्ट इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) को घरेलू व विदेशी बाजारों में 2,263 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं। केपीआईएल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी के ट्रांसमिशन व डिस्ट्रीब्यूशन (टीएंडडी) व्यवसाय को भारत और विदेशी बाजारों में कुल 1,564 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। जल व भवन और कारखाना व्यवसाय को क्रमशः 458 करोड़ और 241 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। केपीआईएल और उसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुषंगी कंपनियों को 2,263 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इन टीएंडडी ठेकों ने भारत, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और स्वीडन में हमारी ऑर्डर बुक को मजबूत किया है। हम बाजार में उपस्थिति को बेहतर बनाने तथा इन व्यवसायों में सतत वृद्धि के लिए अपने बीएंडएफ और जल व्यवसाय के भीतर रणनीतिक ठेके हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे। केपीआईएल वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाओं पर काम कर रहा है। इसकी 70 से अधिक देशों में पहुंच है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर खड़े रहने वाले विमानों से लिया जाएगा अधिक शुल्क

नई दिल्ली । दिल्ली एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी डायल ने हवाई अड्डे पर खड़े रहने वाले विमानों के लिए एयरलाइंस से अधिक शुल्क लेने की योजना बनाई है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने कहा कि उड़ान न भर रहे ये विमान उपलब्ध पार्किंग स्थान पर कब्जा कर लेते हैं जिससे हवाई अड्डे की परिचालन दक्षता प्रभावित होती है। तकनीकी और अन्य कारणों से विमानों के सेवा में नहीं होने के मामले बढ़ रहे हैं। डायल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगली यातायात गणना में हम अनुरोध करेंगे कि जो एयरलाइन कंपनियां एक निश्चित अवधि से अधिक समय से यहां विमान खड़े कर रही हैं, उनके लिए कुछ अधिक शुल्क लिया जाना चाहिए। दिल्ली हवाई अड्डे की अगली यातायात समीक्षा अगले साल की शुरुआत में होगी। हवाई अड्डे के एक प्रवक्ता ने कहा कि इंडिगो, स्पाइसजेट और एयर इंडिया समेत विभिन्न एयरलाइंस के लगभग 64 विमान इस समय सेवा से बाहर खड़े हैं। इनमें इंडिगो के 24 विमान, स्पाइसजेट के छह, एयर इंडिया के दो और अलायंस एयर का एक विमान शामिल हैं। इसके अलावा परिचालन बंद कर चुकी एयरलाइंस गोफर्स्ट के 23 विमान, जूम एयर के पांच और जेट एयरवेज के तीन विमान भी हवाई अड्डे पर खड़े हैं। डायल द्वारा संचालित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीएआई) पर विमानों के लिए 295 पार्किंग स्थल हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली । केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने एयर इंडिया एक्सप्रेस को कारण बताओ नोटिस भेजा है। सूत्रों ने कहा कि नोटिस एयरलाइन प्रबंधन और चालक दल के सदस्यों के बीच कुछ विवादों के संबंध में नियमों के कथित उल्लंघन के लिए भेजा गया है। चालक दल के कई सदस्यों ने यात्रा से पहले विश्राम के दौरान कमरा साझा करने को लेकर चिंताएं जताई है। इसके अलावा कई अन्य मुद्दे भी हैं। इस संबंध में श्रम विभाग के समक्ष एक शिकायत दर्ज की गई थी और मामला औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अनुसार सुलह के अधीन है। इस संबंध में एयर इंडिया एक्सप्रेस से बात की गई लेकिन वहां से कोई जवाब नहीं मिला है। एयरलाइन का पिछले साल जनवरी में टाटा समूह ने अधिग्रहण किया था। कारण बताओ नोटिस इस आरोप के संबंध में भेजा गया है कि श्रम कानून के तहत सुलह कार्यवाही के लंबित रहने के दौरान एयरलाइन ने श्रमिकों की सेवा शर्तों को बदल दिया। एक सूत्र ने कहा कि कारण बताओ नोटिस में कहा गया गया है कि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 33 के उल्लंघन के लिए आपके प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए।

मुकेश अंबानी ने खरीदी 4.5 करोड़ की नई फेरारी रोमा

मुंबई ।

देश के जानेमाने बिज़नेज़मैन मुकेश अंबानी ने 4.5 करोड की नई फेरारी रोमा खरीदी है। गौरतलब है कि उन्हें अक्सर लग्ज़री कारों में स्पॉट किया जाता है। अंबानी ने एक बार फिर से अपने गैराज में नई सुपरकार फेरारी रोमा जोड़ी है, जिसकी कीमत 4.5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। उन्होंने इसे फेरारी रेड कलर में खरीदा है। इसके अलावा मुकेश अंबानी के गैराज में फेरारी 812 सुपरफास्ट, मैकलेरन 570एस, लेम्बोर्गिनी एवेंटाडोर एस रोडस्टर, फेरारी 488 जीटीबी, फेरारी पोर्टोफिनो, एस्टन मार्टिन डीबी11 जैसी लग्ज़री गाड़ियां भी शामिल हैं।

गाड़ी के जानकार बता रहे हैं कि इस मॉडल को बहुत कम भारतीय सड़कों पर देखा गया है। इसमें 3.9-लीटर ट्विन-टर्बोचार्ज्ड वी8 इंजन दिया है, जो 690 पीएस की अधिकतम शक्ति और 760 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है। यहां गौरतलब है कि मुकेश अंबानी ने अपनी पत्नी नीता अंबानी को बीते दिनो 10 करोड़ रुपये की रोल्स-रॉयस कलिनन ब्लैक बैज एसयूवी गिफ्ट की थी। यह कंपनी की भारत में सबसे महंगी एसयूवी थी, जो गिने- चुने लोगों के पास ही उपलब्ध है। अब उन्होंने यह फेरारी रोमा खरीदी है।

आईनॉक्स विंड ने आईडब्ल्यूएल में किया 800 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड (आईडब्ल्यूईएल) ने आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) में निवेश किया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में कहा कि आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड ने आईनॉक्स विंड लिमिटेड में 800 करोड़ रुपये का निवेश पूरा किया। इस धनराशि का इस्तेमाल आईडब्ल्यूएल के मौजूदा ऋण को चुकाने के लिए किया जाएगा। आईनॉक्स विंड के एक अधिकारी ने कहा कि आईडब्ल्यूएल के प्रवर्तक द्वारा धन जुटाने का हालिया दौर और उसके बाद आईडब्ल्यूएल में पूंजी निवेश कंपनी के शुद्ध-ऋण मुक्त कंपनी बनने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यूपीआई से होने वाले फ्रॉड रोकने अलर्ट सिस्टम ला सकती है सरकार

मुंबई । डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते प्रचलन के साथ ही बैंकिंग धोखाधड़ी के मामले भी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। सरकार अब इन पर रोक लगाने के लिए विभिन्न प्रस्तावों पर विचार कर रही है। खासकर यूपीआई के जरिए होने वाले फॉड को लेकर सरकार को कई प्रस्ताव मिले हैं, जिन्हें जल्द ही लागू किया जा सकता है। एक रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि वित्तीय संस्थान एक सीमा से अधिक डिजिटल भुगतान के लिए रैपिड अलर्ट सिस्टम अपना सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान 5000 रुपये से ज्यादा के डिजिटल पेमेंट के लिए रैपिड अलर्ट सिस्टम अपना सकते हैं। यह अलर्ट केवल नए यूजर्स या वेंडर्स के मामले में ही पूरी तरह से लागू किया जाएगा। इस अलर्ट सिस्टम के तहत जब कोई उपयोगकर्ता पहली बार किसी अन्य उपयोगकर्ता या विक्रेता को यूपीआई के ज रिए 5000 रुपये से अधिक का भुगतान करता है, तो भुगतान शुरू करते ही उसे एक कॉल प्राप्त होगा। खाते से पैसे डेबिट होने से पहले वेरिफिकेशन मैसेज आएगा। सत्यापन के बाद ही उनके खाते से पैसे काटे जाएंगे। इस तरह संदिग्ध मामलों में भुगतान अपने आप अटक जाएगा। इस तरह का अलर्ट सिस्टम पहली बार लागू नहीं किया जा रहा है। कई वित्तीय संस्थान पहले ही ऐसी प्रणालियों को अपना चुके हैं। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि कई वित्तीय संस्थान पहले से ही उच्च मूल्य के लेनदेन के लिए ऐसे अलर्ट सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं।

पीएम मोदी की गारंटी से झूमा, शेयर बाजार

बीएसई सेंसेक्स 1,384 अंक मजबूत

मुंबई ।

घरेलू बाजार में सोमवार को लगातार पांचवें दिन तेजी दिखाई दी। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत से निवेशक उत्साहित दिखाई दिए। विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों के 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहने से भी बाजार को मजबूती मिली। तीन हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा की क्लीन स्वीप के बाद इक्विटी बाजार सोमवार को इंट्राडे कारोबार में नए शिखर पर पहुंच गए। सोमवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 1,384 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 418 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स इंट्राडे में 35,124 के नए शिखर पर पहुंच गया, जबकि बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने 41,222 का नया ऑलटाइम हाई का रिकॉर्ड बनाया। दोनों सूचकांक 1.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1383.93 अंक की भारी बढ़त के साथ 68,865.12 अंक के नए शिखर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 68,918.22 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 68,274.47 तक आया।

वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 418.90 अंक की शानदार बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,686.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 20,702.65 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 20,507.75 तक आया। सेंसेक्स कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई में सबसे ज्यादा क्रमशः 4.68 प्रतिशत और 3.99 प्रतिशत की तेजी रही। लाभ में रहने वाले अन्य प्रमुख शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। दूसरी तरफ, विप्रो और टाटा मोटर्स और टाइटन नुकसान में रहे।

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में जर्मनी और फ्रांस में जहां तेजी रही वहीं लंदन बाजार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार में शुक्रवार को मिला-जुला रुख रहा।

पांचवीं बार नीतिगत दरों में बदलाव से परहेज कर सकता है आरबीआई

- केंद्रीय बैंक मौद्रिक समीक्षा के निर्णय की घोषणा 8 दिसंबर को करेगा

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 6 सदस्यों वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) मौद्रिक समीक्षा के दौरान नीतिगत दरों में बदलाव से लगातार पांचवीं बार परहेज कर सकती है। इस बारे में एक सर्वेक्षण में सभी 10 प्रतिभागियों ने यही कहा। केंद्रीय बैंक मौद्रिक समीक्षा के निर्णय की घोषणा 8 दिसंबर को करेगा। मौद्रिक नीति समिति ने मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच रीपो दर में 250 आधार अंक का इजाफा कर दिया, जिससे यह 6.5 फीसदी पर पहुंच गई। उसके बाद से ही दर जस की तस बनी हुई है। अर्थशो स्त्रियों का कहना है कि मुद्रास्फीति अब भी तय लक्ष्य से ऊपर है और वृद्धि दर भी बढ़ रही है।

इसलिए केंद्रीय बैंक का ध्यान मुद्रास्फीति को 4 फीसदी या उसके नीचे लाने पर होगा। मौद्रिक नीति समिति ने तरलता पर अंकुश लगाने की कोशिश की है और आगे भी वह ऐसा ही चाहेगी। बैंकिंग तंत्र में तरलता नवंबर में और भी घट गई है। यही वजह है कि आरबीआई ने पिछले गुरुवार को बैंकिंग तंत्र में 48,754 करोड़ रुपये डाले हैं। वस्तु एवं सेवा कर के मासिक भुगतान के कारण 21 नवंबर को तरलता में अंतर 5 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। केंद्रीय बैंक ने उस दिन भी 1.74 लाख करोड़ रुपये डाले थे। सर्वेक्षण में शामिल सभी प्रतिभागियों ने अनुमान लगाया कि एमपीसी के सदस्य उदारता खत्म करने के रुख पर कायम रहेंगे क्योंकि मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम अब भी बना हुआ है। उनका कहना है कि आरबीआई का रुख समायोजन वापस लेने का ही रहेगा क्योंकि मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम अब भी बना हुआ है। वृद्धि भी मजबूत बनी हुई है। इसलिए उनके पास मौद्रिक नीति में सख्ती बनाए रखने की गुंजाइश है।

जेरोधा का काइट ऐप लगातार तीन महीनों में तीसरी बार हुआ बंद

नई दिल्ली। ब्रोकरेज फर्म जेरोधा के ट्रेडिंग ऐप काइट को सोमवार को एक और तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा, यह लगातार तीसरा महीना है, जब प्लेटफॉर्म को इस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा है। यह उस दिन हुआ जब शेयर बाजार अब तक के उच्चतम स्तर पर खुला। गड़बड़ी के कारण ऐप में लॉगिन नहीं कर पाने से निराश यूजर्स ने शिकायत के लिए एक्स की ओर रुख किया। एक यूजर ने लिखा, बेहद जरूरी दिन पर फिर से डाउन। क्या किसी और को जेरोधा के साथ समस्या का सामना करना पड़ रहा है? सुबह 9.29 बजे जेरोधा ने एक पोस्ट में कहा- हमारे कुछ यूजर्स को काइट वेब में लॉग इन करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हम इस समस्या पर गौर कर रहे हैं। इस बीच, कृपया काइट मोबाइल ऐप में लॉगिन करें। लगभग एक घंटे बाद, ब्रोकरेज फर्म ने पोस्ट किया कि समस्या का समाधान हो गया है और असुविधा के लिए खेद है। जेरोधा ने कहा, हमारे कुछ यूजर्स को काइट में लॉगिन करने और मार्केटवॉच में इंस्ट्रूमेंट्स जोड़ने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। इन समस्याओं का समाधान हो गया है। इस असुविधा के लिए खेद है। ज़ेरोधा पिछली बार 31 अक्टूबर और 6 नवंबर को बंद हो गया था, जब कई यूजर्स ने ऑर्डर प्लेसमेंट से संबंधित तकनीकी गड़बड़ी के बारे में शिकायत की थी, जिसमें ऑर्डर एग्जीक्यूट नहीं होने और अन्य समस्याएं थीं।

यात्रियों की सुरक्षा नागरिक उड्डयन मंत्रालय की प्राथमिकता: सिंधिया

नई दिल्ली-

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कहा कि यात्रियों की सुरक्षा मंत्रालय की प्राथमिकता है और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) सभी हवाईअड्डों पर कड़ी नजर रखे हुए है और यदि कोई एयरलाइन या हवाईअड्डा किसी यात्री के साथ दुर्व्यवहार का दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाती है और जुर्माना लगाया जाता है। सिंधिया ने यह टिप्पणी सोमवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान की। वह राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा के सवाल का जवाब दे रहे थे। शर्मा ने पूछा था कि जैसे एयरलाइन क्रू और एयरलाइंस के अधिकारों को परिभाषित किया गया है, क्या मंत्रालय यात्रियों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए कोई कदम उठा रहा है, क्योंकि ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं कि यात्रियों के साथ सुरक्षा और प्रक्रिया के नाम पर दुर्व्यवहार किया गया। इस पर सिंधिया ने कहा, सुरक्षा के लिए बीसीएएस सभी हवाई अड्डों पर पैनी नजर रखता है और संरक्षा के लिए डीजीसीए एयरलाइंस के लिए सीएआर (सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स) जारी करता है ताकि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखा जा सके। यदि कोई एयरलाइन या हवाईअड्डा दुर्व्यवहार का दोषी पाया जाता है, तो एयरलाइन और हवाईअड्डे पर जुर्माना लगाया जाता है। एक पूरक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा, एयर इंडिया ने 470 विमानों का ऑर्डर दिया है। इंडिगो ने 500 विमानों का ऑर्डर दिया है और आने वाले दिनों में यह कनेक्टिविटी की रीढ़ बन जाएगा। नांदेड़ हवाई अड्डे का बारे में एक पूरक प्रश्न के उत्तर में सिंधिया ने कहा, इस मुद्दे पर हमारी सलाहकार समिति में चर्चा हुई है और यहां सवाल यह है कि एयरलाइन ने नांदेड़ में अपनी सेवाएं शुरू कर दी हैं। कुछ एयरलाइंस को आर्थिक रिटर्न नहीं मिल पा रहा था, इसलिए कुछ उड़ानों की संख्या कम हो गई। कनेक्टिविटी दे रहे हैं। हवाई अड्डा हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, नांदेड़ महाराष्ट्र में एक महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन सिख समुदाय के लिए, उनके धर्म के लिए यह और भी महत्वपूर्ण है।

तकनीकी गड़बड़ी के कारण कुछ कर्मचारियों के वेतन में देरी हुई: बायजू

नई दिल्ली।

एडटेक यूनिकॉर्न बायजू के कुछ कर्मचारियों को वेतन मिलने में तकनीकी खराबी के कारण देरी हुई। कंपनी ने कहा कि उन्हें सोमवार को वेतन देने की प्रक्रिया चल रही थी। कंपनी ने कहा कि वह इस मुद्दे को सुलझाने और शेष कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए काम कर रही है। बायजू ने कहा, एक अप्रत्याशित तकनीकी खराबी के कारण कुछ सीमित कर्मचारियों (पाँच प्रतिशत से कम) के वेतन प्रसंस्करण में देरी हुई है। इस मुद्दे को सप्ताहांत में ठीक किया जा रहा है और भुगतान सोमवार तक किया जाएगा।रिपोर्टों के मुताबिक, लगभग एक हजार कर्मचारियों के वेतन में देरी का असर हर स्तर के लोगों पर पड़ा है। हालाँकि, आकाश इंस्टीट्यूट से जुड़े कर्मचारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 9,362.35 करोड़ रुपये के कथित उल्लंघन पर एडटेक फर्म थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (बायजू की मूल कंपनी) और बायजू रवींद्रन को कारण बताओ नोटिस जारी करने के कुछ दिनों बाद कंपनी ने पिछले सप्ताह कहा कि वह सभी प्रासंगिक फेमा नियमों का पूर्ण पालन करती रहेगी। बायजू के एक प्रवक्ता ने कहा- हमें ईडी से नोटिस प्राप्त हुआ है, जिसने अब अपनी जांच पूरी कर ली है और 21 नवंबर की उनकी प्रेस विज्ञप्ति में भी यही कहा गया है बायजू अधिकारी ने कहा कि नोटिस में प्राप्त प्रश्न पूरी तरह से तकनीकी प्रकृति के हैं, जैसे कि वैधानिक ऑडिट (वित्त वर्ष 2021-22) में देरी से उत्पन्न लगभग आठ हजार करोड़ रुपये के एकदिवसीय निवेश के संबंध में वार्षिक प्रदर्शन रिपोर्ट (एपीआर) दाखिल करने में देरी। प्रवक्ता ने कहा, हालांकि, कंपनी ने सभी एफडीआई के लिए समसामयिक रूप से अपेक्षित सूचना दायर की है, जो कानून में पात्रता मानदंड के अनुसार प्राप्त हुई है और एपीआर दाखिल न करने के कथित आरोप से प्रभावित नहीं है। कंपनी ने इस प्रकार प्राप्त एफडीआई के लिए निर्धारित समय के भीतर शेयर भी जारी या आवंटित किए हैं।

स्पॉटिफाई करेगा 17 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली।

म्यूजिक स्ट्रीमिंग दिग्गज स्पॉटिफाई ने सोमवार को कंपनी भर में लगभग 17 प्रतिशत कार्यबल की छंटनी की घोषणा की। स्पॉटिफाई के संस्थापक और सीईओ डैनियल ऐक ने कर्मचारियों को लिखे एक नोट में कहा कि कंपनी के लिए आगे की चुनौतियों का सामना करने के लिए कार्यबल का सही आकार बनाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने छंटनी के कारणों के रूप में धीमी आर्थिक वृद्धि और बढ़ी हुई पूंजी लागत का हवाला दिया और दावा किया कि कंपनी ने व्यवसाय में भारी निवेश करने के लिए 2020 और 2021 में कम लागत वाली पूंजी का उपयोग किया। डैनियल एक ने कहा, मैंने कंपनी में अपने कुल कर्मचारियों की संख्या लगभग 17 प्रतिशत कम करने का कठिन निर्णय लिया है। मैं मानता हूं कि इसका असर उन व्यक्तियों पर पड़ेगा, जिन्होंने बहुमूल्य योगदान दिया है। स्पष्ट कहें तो, कई स्मार्ट, प्रतिभाशाली और कड़ी मेहनत करने वाले लोग हमें छोड़कर चले जाएंगे। टेकक्रंच के अनुसार, स्पॉटिफाई में लगभग 8,800 लोग कार्यरत हैं और नौकरी में कटौती के इस कदम से 1,500 से अधिक कर्मचारी प्रभावित होंगे। सेवरन्स पे के तहत, कंपनी सभी कर्मचारियों के

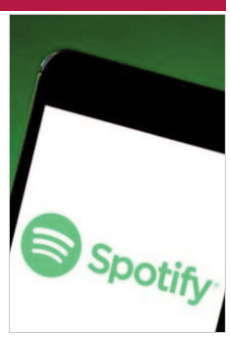

लिए बेसलाइन के साथ शुरुआत करेगी, जिसमें औसत कर्मचारी को लगभग पांच महीने का सेवरन्स मिलेगा। इसकी गणना लोकल नोटिस पीरियड आवश्यकताओं और कर्मचारी कार्यकाल के आधार पर की जाएगी। कंपनी कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति अवधि के दौरान स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना जारी रखेगी। सभी कर्मचारी दो महीने के लिए आउटप्लेसमेंट सर्विस के पात्र होंगे। इस साल स्पॉटिफाई द्वारा छंटनी का यह तीसरा राउंड है। जून में, कंपनी ने कॉर्पोरेट पुनर्गठन के हिस्से के रूप में अपने पॉडकास्ट डिवीजन से 200 कर्मचारियों या अपने कार्यबल के 2 प्रतिशत को बर्खास्त किया था, जबकि जनवरी में, इसने वैश्विक स्तर पर अपने कार्यबल के 6 प्रतिशत या लगभग 600 कर्मचारियों को हटा दिया।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत बदली

- ब्रेंट क्रूड गिरावट के साथ 79.42 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली तेजी दिख रही है। सोमवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड हरे निशान में रहते हुए 74.64 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड भी गिरकर 79.42 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 50 पैसे और डीजल 46 पैसे की गिरावट के साथ बिक रहा है। राजस्थान में पेट्रोल की कीमत में 29 पैसे और डीजल में 26 पैसे की कटौती की गई है। पश्चिम बंगाल में भी पेट्रोल 25 और डीजल 24 पैसे सस्ता हो गया है। वहीं पंजाब में पेट्रोल 32 पैसे और डीजल 30 पैसे महंगा होकर बिक रहा है। हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और केरल समेत कुछ अन्य राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.65 रुपये और डीजल 94.25 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.09 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

भारत के खिलाफ तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम का ऐलान

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा और तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला में विश्राम दिया गया है और वह इसके बाद होने वाली टेस्ट श्रृंखला में वापसी करने वाले हैं। दक्षिण अफ्रीका खेल के तीनों प्रारूप में भारतीय टीम की मेजबानी करेगा। भारत दौरे में तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगा। इस दौरे की शुरुआत 10 दिसंबर को डरबन में पहले टी20 मैच से होगी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, 'कप्तान बावुमा और कैगिसो रबाडा उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें सीमित ओवरों की श्रृंखला से बाहर रखा गया है। यह दोनों खिलाड़ी इसके बाद टेस्ट श्रृंखला में वापसी करने वाले हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की तैयारी में जुटे हैं। दोनों टीम के बीच पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर से सेंचुरियन में होगा।

बावुमा की अनुपस्थिति में एडेन मार्कराम सीमित ओवरों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका की अगुवाई करने वाले हैं। अब तक एक वनडे और 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार टेस्ट टीम में जगह दी गई है, जबकि हेनरिक क्लासेन को टेस्ट टीम से बाहर रखा गया है। तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्ज़ी, मार्को यानसन और लुंगी एनगिडी को भी वनडे से बाहर रखा गया है। यह तीनों खिलाड़ी पहले दो टी20 मैच और दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किए गए हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के महत्वपूर्ण अंक और अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए दक्षिण अफ्रीका ने भी भारत की तरह अपनी वनडे टीम में कई नए चेहरों को शामिल किया है। इनमें तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन और ऑलराउंडर मिहलाली मपोंगवाना जैसे नए चेहरे भी शामिल हैं। बल्लेबाज डेविड बेडिंघम (टेस्ट) और तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर (तीनों प्रारूप) को भी पहली बार मौका दिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीम : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएट्ज़ी (पहला और दूसरा टी20), डोनोवन फरेरा, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन (पहला और दूसरा टी20), हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी (पहला और दूसरा टी20), एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और लिज़ाद विलियम्स

दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी ज़ोरज़ी, रीज़ा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, मिहलाली मपोंगवाना, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज़ शम्सी, रासी वान डेर डुसेन, काइल वेरेन और लिज़ाद विलियम्स।

दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम : टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएट्ज़ी, टोनी डी ज़ोरज़ी, डीन एल्गर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

बिश्नोई ने 10 महीने में बना लिया अश्विन के 6 साल में तैयार किया रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के युवा खिलाड़ी रवि बिश्नोई ने केवल दस माह में अश्विन के उस रिकार्ड को तोड़ दिया जिसे उसने 6 साल में तैयार किया था। रवि ने वर्ल्ड कप फाइनल में भी खूब धूम मचाई थी। जहां भारत के युवा खिलाड़ियों ने कंगारू टीम के छक्के छुड़ा दिए। रवि बिश्नोई सीरीज के टॉप विकेट टेकर साबित हुए। फरवरी में टी20 में टीम इंडिया में डेब्यू करने वाले बिश्नोई ने महज 10 महीने में टीम इंडिया के फिरकी मास्टर आर अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रवि बिश्नोई ने टीम इंडिया की तरफ से अभी तक 21 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने इन मुकाबलों में 34 विकेट अपने नाम किए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मुकाबलों में बिश्नोई ने 9 विकेट अपने नाम किए। इसी के साथ वे किसी एक द्विपक्षीय सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। बिश्नोई ने टीम इंडिया के स्टार स्पिनर आर अश्विन की बराबरी कर ली है। अश्विन ने साल 2016 में यह कारनामा किया था।

अश्विन ने टी20 डेब्यू के 6 साल बाद यह रिकार्ड बनाया जबकि बिश्नोई ने 10 महीनों में ही ये कमाल कर दिखाया है। बिश्नोई ने इस सीरीज में अपने पहले ही ओवर में बल्लेबाजों को ज्यादातर शिकार बनाया। 5 में से 4 मुकाबलों में बिश्नोई ने अपने पहले ही ओवर में विकेट हासिल किया। सीरीज के आखिरी मैच में जब टीम इंडिया मुश्किल में थी तो बिश्नोई ने 2 अहम विकेट लेकर बाजी पलट दी। आखिरी मैच में बिश्नोई और मुकेश कुमार की गेंदबाजी की बदौलत टीम इंडिया ने 6 रन से रोमांचक जीत हासिल की। आखिरी टी20 मुकाबले में टीम इंडिया की बैटिंग मुश्किल में नजर आई। इस बीच श्रेयस अय्यर टीम के ?लिए संकटमोचक के रुप में सामने आए।

रहाणे-पुजारा नहीं जाएंगे टीम इंडिया के साउथ अफ्रीका दौरे पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी गई है। उम्मीद थी कि अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को स्क्वॉड में शामिल किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। इस पर सौरव गांगुली ने भी कहा कि यह समय है उनके लिए मूव ऑन करने का। सौरव गांगली से एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या रहाणे और पुजारा को टेस्ट सीरीज में मौका मिलना चाहिए था? इसपर गांगुली ने कहा कुछ समय पर आपको नए टैलेंट को मौका देने की जरूरत होती है। इंडिया में बहुत सारे टैलेंट हैं। टीम को अब आगे बढ़ने की जरूरत है। पुजारा और रहाणे ने भारत के लिए काफी क्रिकेट खेला है। उन्होंने भारत को कई मैच भी जिताए हैं। लेकिन यह समय अब उनके लिए नहीं है। ये सभी के साथ होता है। मैं उन्हें बेशक धन्यवाद देना चाहूंगा। जो भी उन्होंने भारतीय टीम के लिए किया है। बता दें कि चेतेश्वर पुजारा ने अपना आखिरी टेस्ट मैच इस साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। डब्ल्यूटीसी फाइनल में पुजारा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उसके बाद उन्हें वेस्टइंडीज दौरे से भी बाहर कर दिया गया था। वहीं, अजिंक्य रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट इसी साल 2023 में जुलाई में खेला था। तब से खेलने का मौका नहीं मिला है।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान, लांस मॉरिस टीम में नया चेहरा

-सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को दल में जगह

मेलबर्न (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा हो गई है। टेस्ट मैचों में खराब फार्म से जूझ रहे सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को दल में जगह मिली है, जबकि ऑलराउंडर मिचेल मार्श और कैमरन ग्रीन दोनों को भी टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज लांस मॉरिस टीम में नया चेहरा हैं। एशेज सीरीज के दौरान पिंडली की चोट से बाहर हुए ऑफ स्पिनर नाथन लियोन की टीम में वापसी हुई है। वह टॉड मर्फी की जगह लेने वाले हैं। ग्रीन टीम में अतिरिक्त बल्लेबाज और मॉरिस व स्कॉट बोलैंड टीम में अतिरिक्त गेंदबाज के तौर पर शामिल हैं।

वनडे विश्व कप के दौरान जॉश इंग्लिस से अपनी जगह गंवा चुके एलेक्स कैरी टेस्ट मैचों में विकेटकीपर के रूप में बने हुए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह ही साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलकर विक्टोरिया के खिलाफ 81 रनों की पारी खेली थी। वहीं गेंदबाज मॉरिस भी चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने इस साल सिर्फ दो मार्श कप मैच और तीन शेफील्ड शील्ड मैच खेले हैं। हालांकि मेडिकल टीम ने उन्हें अब पूरी तरह से फिट घोषित किया है।

वॉर्नर सीरीज के तीसरे मैच से टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहना चाहते हैं, जो कि उनके घरेलू मैदान सिडनी में होना है। पिछले दो सालों में उनका टेस्ट औसत 30 से भी कम है। हालांकि चयनकर्ताओं का मानना है कि फिलहाल वह देश के सर्वश्रेष्ठ दो उपलब्ध सलामी बल्लेबाजों में से एक हैं। मार्कस हैरिस, मैट रेनशॉ और कैमरन बैनक्रॉफ्ट उनकी जगह लेने के प्रबल दावेदार नाम हैं।

14 सदस्यीय टेस्ट दल में ग्रीन ही एकमात्र खिलाड़ी हैं, जो अभ्यास मैच में भी खेलने वाले हैं। उन्होंने हाल ही में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के लिए क्वींसलैंड के खिलाफ 96 रनों की पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्र्यू मैक्डोनाल्ड्स ने संकेत दिए हैं कि वॉर्नर के संन्यास लेने के बाद मार्श और ग्रीन टेस्ट एकादश में एक साथ भी खेल सकते हैं। हालांकि इसके लिए बल्लेबाजी क्रम को थोड़ा ऊपर-नीचे करना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट 14 दिसंबर से पर्थ में शुरू हो रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई दल-पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वॉर्नर, उस्मान खवाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर) नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, जॉश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क, लांस मॉरिस शामिल है।

पूर्व भारतीय कप्तान धोनी के इस गुरुमंत्र को अपनी सफलता मानते : शाई होप

साउंड । वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने खुलासा किया कि लक्ष्य का पीछा करने में माहिर महेंद्र सिंह धोनी की आखिर तक हार न मानने की सलाह ने इस जीत में अहम काम किया। पूर्व भारतीय कप्तान धोनी को शांतचित होकर अपने काम को अंजाम तक पहुंचाने और अपने मैच विजेता कौशल के लिए जाना जाता है। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 326 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांच विकेट 213 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद होप ने धोनी से हुई बातचीत को याद कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। होप ने नाबाद 109 रन की पारी खेलकर कहा, बेहद चर्चित व्यक्ति धोनी से मेरी बात हुई थी और उन्होंने कहा था कि आप जितना सोचते हो उससे अधिक समय आपके पास होता है। धोनी की तरह विकेटकीपर बल्लेबाज होप ने कहा, 'इतने वर्षों में जब से मैं वनडे क्रिकेट खेल रहा हूं उनकी यह बात मेरे दिमाग में हमेशा घूमती रहती है।

सूर्यकुमार की खिलाड़ी को सलाह,जो सही लगे वहीं मैंच का आंनद लो

बेंगलुरु । भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि मैंने हमेशा अपने साथी खिलाड़ियों से कहा है कि मैदान में आपको जो सही लगता है, आप वही करो और खेला आनंद लो। सूर्यकुमार ने कहा कि यह एक कमाल की श्रृंखला रही है। खिलाड़ियों ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह देखकर अच्छा लग रहा है। मैंने हमेशा अपने साथियों से कहा है कि मैदान में आपको जो सही लगता है, आप वहीं करो। अपने खेल का आनंद लो। उन्होंने कहा कि आज विकेट थोड़ा ट्रिकी था, मैंने अपने खिलाड़ियों से कहा था कि अभी भी हम मैच में बने हुए हैं, चिंता न करें। प्लेयर ऑफ द सीरीज रवि बिश्नोई ने कहा कि पहला मैच मेरे हिसाब से अच्छा नहीं गया था। हालांकि मैंने योजना बनाई थी, मैं उसी को लागू करने का प्रयास कर रहा था। मैं कोशिश कर रहा था कि मैं ज्यादा ऊपर गेंद न फेकूं और विकेट टू विकेट गेंदबाजी करना चाह रहा था। मैं दक्षिण अफ्रीका में भी इसतरह की ही गेंदबाजी करने का प्रयास करूंगा। प्लेयर ऑफ द मैच अक्षर पटेल कहा कि आज पहली ही गेंद करने पर मुझे स्पिन मिला,तब मैंने मुस्कुराते हुए सोचा कि यह मेरा विकेट है। एक ब्रेक के बाद वापसी करते हुए मैं लय में नहीं था, उस वक्त मैं काफी कुछ सोच रहा था, क्योंकि बल्लेबाजी उस हिसाब से नहीं हो रही थी।

कोरिया के खिलाफ मैच से भारत करेगा विश्वकप अभियान का आगाज

कुआलालंपुर (एजेंसी)। एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप मलेशिया 2023 में भारत अपने अभियान की शुरुआत पूल सी में अपने पहले मैच में कोरिया के खिलाफ जीत के साथ करना चाहेगा। कुआलालंपुर के बुकिट जलील में नेशनल हॉकी स्टेडियम मंगलवार को भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे यह मैच खेला जाएगा। कोरिया के खिलाफ शानदार रिकार्ड रखने वाली भारतीय टीम के हौसले बुलंद है।

दोनों टीमे अब तक छह बार आमने सामने हो चुकी है जिसमें तीन मैच भारत के पक्ष में गये है जबकि दो में उसे हार का सामना करना पडा है। एक मैच का नतीजा नहीं निकल सका था। आखिरी बार दोनों टीमें इस साल की शुरुआत में आयोजित पुरुष जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल के दौरान एक-दूसरे से भिड़ी थीं, जहां भारत ने कोरिया पर 9-1 से बड़ी जीत दर्ज की थी।

मैच की पूर्व संध्या पर भारतीय कप्तान उत्तम सिंह ने कहा, 'हम अच्छी शुरुआत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। हमने हाल ही में कोरिया के खिलाफ खेला है, इसलिए हम चुनौती के बारे में भलीभांति जानते है। हमारा ध्यान अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करने पर और अच्छी हॉकी खेलने पर होगा।'

कोच सीआर कुमार ने कहा, 'खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है, और टूर्नामेंट के लिए टीम पूरी तरह से तैयार हैं। कोरिया एक अच्छी टीम है जिसे आप हल्के में नहीं ले सकते। हमें हर प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करना होगा, यह एक बड़ा मंच है, इसलिए टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत पाने के लिए हमें सतर्क रहना होगा और अपनी ताकत का मुजाहिरा मैदान पर करना होगा।'

दो बार का जूनियर विश्व चैंपियन भारत अपने पूल सी मैचों में सात दिसंबर को स्पेन और नौ दिसंबर को कनाडा से भिड़ेगा। पूल चरण में शीर्ष दो में रहने से क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की हो जाएगी। टूर्नामेंट का क्वार्टर-फाइनल 12 दिसंबर, सेमी-फाइनल 14 दिसंबर और फाइनल 16 दिसंबर को होगा।

एक दिन बाद पीसीबी के चयन पैनल से बाहर हुए सलमान बट

लाहौर । पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता ने अपना फैसला पलटते हुए सलमान बट को पैनल से बाहर कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज ने पूर्व दागी कप्तान सलमान बट को राष्ट्रीय चयन पैनल में शामिल करने के एक दिन बाद 'गहन समीक्षा करते हुए अपने फैसले को पलट दिया। स्पॉट फिक्सिंग के लिए पांच साल के प्रतिबंध के बाद 2016 में क्रिकेट में सफल वापसी करने वाले 39 वर्षीय बट को उनके पूर्व साथी कामरान अकमल और राव इफ्तिखार अंजुम के साथ मुख्य चयनकर्ता रियाज का सलाहकार सदस्य नियुक्त किया गया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज ने सलमान बट को चयन समिति में सलाहकार सदस्य के रूप में शामिल करने के अपने फैसले को पलटने का विकल्प चुना है। हालांकि सलमान बट को नियुक्त करने का निर्णय विचाराधीन था और गहन समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया कि उन्हें सलाहकार सदस्य के रूप में नियुक्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चयन समिति की परामर्श समिति में किसी भी अतिरिक्त सदस्य की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। बयान में कहा गया, 'सलाहकार सदस्य को चुनने का अधिकार पूरी तरह से मुख्य चयनकर्ता के पास है। सलाहकार सदस्य की भूमिका चयन समिति को सिफारिश और जानकारी प्रदान करना है। चयन समिति के परामर्श पैनल में किसी अतिरिक्त सदस्य की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। पाकिस्तान की टीम अभी ऑस्ट्रेलिया में है जहां उसे तीन टेस्ट की श्रृंखला खेलनी है जिसका पहला टेस्ट 14 दिसंबर से पर्थ में खेला जाएगा।

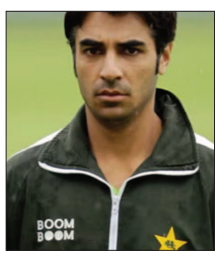

सीएसके ने बेन स्टोक्स को किया रिलीज, अब ढूंढना होगा नया विकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2024 के 17वें एडिशन के लिए सीएसके ने बेन स्टोक्स को भले ही रिलीज कर दिया, लेकिन इसका कोई विकल्प ढूंढना होगा। बता दें कि आईपीएल के लिए खिलाड़ियों की नीलामी में अब कुछ ही दिन रह गए हैं। आईपीएल ऑक्शन का आयोजन 19 दिसंबर को दुबई में होगा। नीलामी के लिए 1166 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम पर सभी की नजरें रहेंगी। जिनके पर्स में 31.4 करोड़ है। सीएसके ने स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को रिलीज कर दिया है। जिसे सीएसके ने साल 2023 के ऑक्शन में 16।25 करोड़ में अपने साथ जोड़ा था। सीएसके की टीम ऑक्शन में बेन स्टोक्स का विकल्प ढूढने उतरेगी। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बताया कि सीएसके की टीम बेन स्टोक्स की जगह ऑक्शन में न्यूजीलैंड के उभरते ऑलराउंडर रचिन रवींद्र या डेरिल मिचेल पर दांव खेल सकती है। आकाश चोपड़ा ने कहा, 'उन्हें ऑलराउंडर की जरूरत है, शायद बेन स्टोक्स की जगह रचिन रवींद्र हो सकते हैं, या शायद सीएसके डेरिल मिचेल पर दावं लगा सकती है। उन्हें स्पिनर की जरूरत नहीं है क्योंकि उनके पास रवींद्र जडेजा, प्रशांत सोलंकी, मोइन अली और मिचेल सैंटनर हैं। ये खिलाड़ी स्पिन की भूमिका निभा सकते हैं।

इन दिनों कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे आकाश चोपड़ा ने कहा कि सीएसके को अंबाती रायडू के विकल्प की भी जरूरत है। भारतीय टीम के पूर्व ओपनर का कहना है कि रायडू की जगह सीएसके मनीष पांडे या करुण नायर को अपने साथ जोड़ सकती है। बकौल चोपड़ा, 'बैटिंग डिपार्टमेंट में सीएसके को अभी एक भारतीय बल्लेबाज की जरूरत है। जो अंबाती रायडू की जगह ले सके। ऐसे में मनीष पांडे या करुण नायर सीएसके में रायडू की कमी को पूरा कर सकते हैं। गौरतलब है कि आईपीएल 2024 ऑक्शन में 10 फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनके पास भरने के लिए 77 स्लॉट हैं। इसमें से 30 स्लॉट विदेशी प्लेयर्स के लिए हो सकते हैं।

मेडिकल ट्रीटमेंट के चलते मोहम्मद शमी को वनडे, टी20 से किया बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेडिकल ट्रीटमेंट के चलते मोहम्मद शमी को वनडे, टी20 से बाहर कर दिया है। यह बात स्वयं बीसीसीआई ने अपने एक स्टेमेंट में कही। गौरतलब है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे, टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी गई है। स्क्वॉड में अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर मुकेश कुमार जैसे गेंदबाजों को मौका मिला है। टी20 की कमान सूर्यकुमार यादव को दी गई है वहीं, वनडे की कप्तानी केएल राहुल के पास होगी। हैरान करने वाली बात ये है कि मोहम्मद शमी साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं है। खेल के जानकार इसके पीछे की कुछ वजह बता रहे हैं। बीसीसीआई ने एक स्टेटमेंट जारी करते हुए बताया है कि मोहम्मद शमी अभी मेडिकल ट्रीटमेंट ले रहे हैं। वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उनकी वापसी इसके बाद होगी। बता दें कि शमी को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। जिसमें अभी काफी दिन बचे हैं। तब शमी पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। बता दें कि दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट खेले जाने हैं। पहला टेस्ट 26 दिसंबर से वहीं दूसरा टेस्ट अगले साल 3 जनवरी से खेला जाना है। शमी ने इस साल विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन किया है।

वर्ल्ड कप के इतिहास में वह 50 विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। ओवरऑल वनडे करियर की बात करें, तो शमी अब तक 101 मैच में 24 की औसत से 195 विकेट ले चुके हैं। 10 बार 4 और 5 बार 5 विकेट लिया है। वे टेस्ट में 229 और टी20 इंटरनेशनल में 24 विकेट झटक चुके हैं। वर्ल्ड कप में उन्होंने 7 मैचों में 24 विकेट लिए थे। औसत सिर्फ 10 का रहा था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, मो. शमी*, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा शामिल हैं।

325 रन बनाने के बावजूद भी वेस्टइंडीज से हारा इंग्लैंड

नई दिल्ली । 325 रन बनाने के बावजूद भी वेस्टइंडीज ने पहले वनडे मैच में इंग्लैंड को हरा दिया। शाई होप की कप्तानी पारी की बदौलत मेहमान टीम बुरी तरह से हारी। जानकारी के अनुसार एंटीगा में खेले गए पहले वनडे मैच में मेजबान वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 7 गेंद बाकी रहते 4 विकेट से हराकर 3 मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। इस मुकाबले में कैरेबियाई पावर देखने को मिली। शाई होप ने शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई। जोस बटलर एंड कंपनी ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था। लेकिन बड़ा स्कोर बनाने के बावजूद भी उसके गेंदबाज इसका बचाव नहीं कर सके। इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक के 77 रन और जैक क्राउली के 48 व ओपनर फिल साल्ट के 45 रन की मदद से 325 का स्कोर बनाया।

इधर वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो शेफर्ड, मोती और ओशाने थॉमस ने दो दो विकेट लिए। 326 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विंडीज की शुरुआत धमाकेदार रही। ओपनर एलिक एथानेज और ब्रेंडन किंग की जोड़ी ने पहले विकेट लिए 104 रन जोड़े। एथानेज 65 गेंदों पर 66 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जब ?कि ब्रेंडन किंग 44 गेंदों पर 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद केसी कार्टी ने 16 रन का योगदान दिया।

कप्तान और विकेटकीपर शाई होप ने 83 गेंदों पर 4 चौकों और 7 छक्कों की मदद से नाबाद 109 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को रोमांचक जीत दिलाई।

मैच में शिमरोन हेटमायेर 32 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रोमारियो शेफर्ड ने 28 गेंदों पर 49 रन की तूफानी पारी खेली। शाई होप ने 51 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की जबकि शतक के लिए लिए 82 गेंदों का सहारा लिया। इसी तरह इंग्लैंड की ओर से गस एटकिंसन और रेहान अहमद ने 2-2 विकेट चटकाए। तेज गेंदबाज सैम करेन ने 9.5 ओवर में 98 रन लुटाए और उन्हें कोई सफलता हाथ नहीं लगी। शाई होप को उनकी शानदार शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

शिक्षा मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया द्वारा गोद लिए गए कामरेज तालुक के लाडवी गांव की दो बेटियों को पक्का घर मिलेगा

सूरत। शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने सूरत जिले के कामरेज तालुका के लाडवी गांव में माता-पिता के आश्रय के बिना रहने वाली दो आदिवासी बेटियों को गोद लिया है। उसकी शिक्षा और आजीविका की सारी जिम्मेदारी अपने सिर पर लेते हुए मानवता की एक बड़ी मिसाल पेश की है। 8 साल की संजना राठौड़ और 6 साल की वंशिका राठौड़ ने अपने बूढ़े दादा के साथ टूटी-फूटी झोपड़ी में रह रही इन अनाथ बच्चियों की हालत देखी और उनके लिए पक्का घर बनाने का फैसला किया। जिसके क्रम में आज मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने दोनों बेटियों के हाथों पक्के मकान का लोकार्पण संपन्न कराया। मकान खातामुहूर्त के इस भावनात्मक क्षण में पूरे लाडवी गांव ने भाग लिया और मंत्री के मानवीय दृष्टिकोण की सराहना करते हुए सभी ग्रामीणों की आंखों में आंसू आ गए।

शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पक्का मकान बनाकर दो बेटियों और बूढ़े दादा को आश्रय देने का संकल्प लिया गया था, जो भवन के पूरा होते ही साकार हो जायेगा। इसके अलावा संजना और वंशिका के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रत्येक बेटी के लिए 5.25 लाख रुपये और कुल 10.50 रुपये की सावधि जमा भी रखी गई है।उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि हलपति समाज के माता-पिता माता-पिता रहित बच्चों की शिक्षा से लेकर जीवन की सभी जिम्मेदारियों को पूरा करने और 'सेवा परमो धर्म' को साकार करने में सहायक बने हैं। समाज के लिए मानवता की उत्कृष्ट मिसाल कायम करने वाले शिक्षा मंत्री वंचितों एवं पीड़ितों के लिए विभिन्न सामाजिक कार्य कर सच्चे अर्थों में एक जन प्रतिनिधि बन गये हैं।

एथर कंपनी ब्लास्ट में हुए घायल लोगों को छात्रों द्वारा होप और रिकवरी का संदेश भेजा गया

सूरत। विनाशकारी आग के कारण एथर इंडस्ट्रीज पर आई हालिया आपदा का सामना करते हुए, समाज ने कंपनी द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई का महत्वपूर्ण प्रभाव देखा। एथर इंडस्ट्रीज ने हमेशा अपने आसपास के लोगों की भलाई को प्राथमिकता दी है और वर्षों से सम्मान और प्रशंसा अर्जित की है। स्थिति को ध्यान में रखते हुए, एथर इंडस्ट्रीज ने पीड़ितों की जरूरतों को पूरा करने के लिए त्वरित कार्रवाई की। कंपनी ने कर्मचारियों और उनके परिवारों और आसपास के लोगों के कल्याण के लिए अपने राहत प्रयासों को बढ़ाया।

एथर इंडस्ट्रीज के त्वरित राहत कार्यों और प्रयासों को स्वीकार करते हुए, विनोबा आश्रमशाला, गैडट के 200 छात्रों और डांग जिले के 2000 से अधिक छात्रों ने अपने जीवन और लोगों पर एथर इंडस्ट्रीज के सकारात्मक प्रभाव को स्वीकार करते हुए कंपनी के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की।यह एकता एथर इंडस्ट्रीज और इसके द्वारा सेवा प्रदान करने वाले लोगों के बीच संबंध को दर्शाती है। यह व्यवसाय और समाज के बीच पारस्परिक संबंध पर प्रकाश डालता है। कॉर्पोरेट जिम्मेदारी के महत्व पर जोर देते हुए, कंपनी ने वर्षों के सकारात्मक जुड़ाव के माध्यम से स्थायी संबंध बनाए हैं।

विनोबा आश्रमशाला, गढ्त और डांग जिलों के छात्रों की प्रार्थनाएं कंपनी को इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने का साहस देती हैं। सामाजिक रूप से जिम्मेदार एथर इंडस्ट्रीज हमेशा अपने संचालन के माध्यम से लोगों के दिलो-दिमाग को छूती है।

सूरत।

श्री सिद्धिपथ उपधान मध्य श्री वेसु समस्त श्वे. मू. पू.तपागच्छ जैन संघ की पहल में शक्तिपातोत्सव पद प्रदान महोत्सव आसरा निवासी कोरडिया भारमलभाई मलजीभाई परिवार श्री यशोकृपा परिवार द्वारा किया गया था।

जिस मंगलकारी निश्रा है भक्तियोगाचार्य प.पू.आ.भ.श्री यशोविजय सूरीश्वरजी म.सा. शास्त्र अनुसंधानकर्ता प.पू.आ.भ.श्री मुनिचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. स्वाध्यारत प.पू.अ.भा. श्री राजपुण्य सूरीश्वरजी म.सा. संघ संस्थापक प.पू.आ.भ.श्री हेलेश सूरीश्वरजी म.सा. आचार्य उपाधि, उपाध्याय उपाधि, गणि उपाधि,मुनि श्री महायशविजयजी म.सा. की गणि-पन्यास-आचार्य उपाधि, पं. श्री मोक्षेशविजयजी म.सा. की उपाध्याय उपाधी, मुनि श्री हींकररत्नविजयजी म.सा. गणि पदवी, मुनि श्री तत्वरुचिविजयजी म.सा. गणि पदवी, मुनि श्री योगरुचिविजयजी म.सा. गणि पदवी, मुनि श्री अर्हध्यानविजयजी म.सा. गणि पदवी में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। श्री यशोकृपा नगरी, बलर फार्म, वेसू में आयोजित किया गया।

एथर कंपनी में हुए ब्लास्ट में हुए घायल एवं मृतकों को न्याय मिले जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया

सूरत भूमि, सूरत।

पिछले दिनों सूरत के सचिन जीआईडीसी रोड नंबर 8 पर आई एथर इंडस्ट्रीज लिमिटेड रसायन कंपनी में भीषण दुर्घटना घटित हुई जिसमें काफी कर्मचारी दुर्घटना के शिकार हुए। राष्ट्रीय प्रेस परिषद के पदाधिकारी द्वारा सूरत के जिला अधिकारी को ज्ञापन देकर दोषियों पर सष्त से सख्त करवाई हो ऐसी मांग की गई। राष्ट्रीय प्रेस परिषद के वाइस प्रेसिडेंट किशोर भाई सींषाठ, सेक्रेटरी जितेंद्र मेढ़े, संजय मिश्रा, मनोज ब्रह्मभट्ट, मुरलीधर विश्वकर्मा , दिपक भामरे, गणेश आहिरे, मिस. मिनामा,तथा संस्था के पदाधिकारीयों ने आरोप लगाया कि एथर कंपनी में बनी घटना में कंपनी के संचालकों एवं संबंधित अधिकारियों की लापरवाही की वजह से यह घटना हुई है जिसकी जांच स्वयं जिला अधिकारी एक कमेटी बनाकर करें ऐसी मांग राष्ट्रीय प्रेस परिषद के पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री से की है।

राष्ट्रीय प्रेस परिषद के पदाधिकारी ने गुजरात प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों के निंदनीय कार्य प्रणाली की भी चर्चा जिला अधिकारी से की, क्योंकि गुजरात प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के अधिकारी ऐसी कंपनियों की तरफदारी करते हैं जैसे लगता है कि वह सरकारी कर्मचारी ना होकर किसी प्राईवेट कंपनी के कर्मचारी हैं।

सिल्वर कोईन आटाने नकली आटे पर नकेल कसी: महाराष्ट्र और गुजरात में कई टन मिलावटी गेहूं का आटा जब्त

नवसारी – उपभोक्ताओं को संभावित स्वास्थ्य खतरों से बचाने और अपने ब्रांड की अखंडता को बनाए रखने के लिए एक निर्णायक कदम में, संघवी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के सिल्वर कोईन फ्लोर (आटा), जो भारत में गेहूं के आटे के शीर्ष 3 ब्रांडों में से एक है, ने सफलतापूर्वक अपने ब्रांड के रंगों के संयोजन और मिलते-जुलते साउंड मार्क/नाम वाले मिलावटी गेहूं के आटे को जब्त कर लिया है, जो उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है।मुंबई और गुजरात में दर्ज कई एफआईआर के आधार परसंघवी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने अपने प्रमुख ब्रांड सिल्वर कोईनट्रेडिशनल चक्की आटासे मिलते जुलते गेहूं के आटे में मिलावट और नकली ब्रांडिंग की जड़ तक पहुंचने के लिए मुंबई और आसपास के क्षेत्रों और गुजरात राज्य में छापेमारी की एक श्रृंखला शुरू की है।

काशीमीरा, मीरा रोड में छापेमारी की सबसे हालियाकार्रवाई में, संघवी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड की टीम ने एफआईआरके मदत से स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर मनीष राकेश सिंह के स्वामित्व वाली एक विनिर्माण सुविधा पर छापा मारा है, जहां टीम नेबनाए जा रहे कई टन घटिया गुणवत्ता का नकली आटा पकड़ा। छापे के दौरान पीले और लाल रंग के संयोजन पैकेजिंग के तहत सिल्वर कुक ब्रांड नाम के2.500 मीट्रिक टन से अधिक नकली आटा जब्त किया गया और 43,000 पैकेजिंग बॅग्स भी जब्त की गई। टीम ने बजरंग किराना स्टोर्स और गीता एजेंसीज़ नामक स्थानीय किराने की दुकानों पर भी छापा मारा, जहां118 बैग जब्त किए गए।

इससे पहले ब्रांड और इसके आईपी की रक्षा के लिए, संघवी फूड्स ने कानूनी टीम की मदद से विभिन्न स्थानों पर कई छापे मारे थे। कंपनी ने महाराष्ट्र राज्य के नालासोपारा में अपना बाजार और पालघर में ओम साईं ट्रेडर्स से नकली उत्पादों को जब्त किया। इससे मिलावटी गेहूं के आटे के निर्माता की पहचान करने की उल्टी प्रक्रिया शुरू हो गई। पहली बार गिरफ्तारी की गई और अपराधी को 2 दिन की रिमांड मेंलिया गया। छापों की श्रृंखला के माध्यम से, संघवी फूड्स ने एक सांठगांठ का खुलासा किया है, जो पड़ोसी राज्योंतक फैला हुआ है। और कंपनी ने गुजरात राज्य में वलसाड के पास उमरगाम में अर्पण फूड के हेमंत सुरेश रावलपर भी छापेमारी की है। इन छापों में, छापा मारने वाली टीमको Silver Cionजैसे नकली नामों के साथ फर्जी पैकेजिंग के साथ 2.5 टन गेहूं का आटा मिला, साथ ही कई अतिरिक्त टन खाली पैकेजिंग भी मिली।

गुजरात के नवसारी जिले में एक और पुलिस छापे में, छापा मारने वाली टीम ने Silver Cool और Select Cool जैसे नकली नामों के साथ पीले और लाल रंग के संयोजन की पैकेजिंग के साथ लगभग 3 टन गेहूं का आटा के साथ कई अतिरिक्त टन खाली पैकेजिंग के साथ गुजरात के नवसारी जिले के चिखली मेंहित हरेशभाई चपला के रिद्धि सिद्धि ग्रेन प्रोसेसिंगमें पाया। गुणवत्ता और प्रामाणिकता के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता के लिए विख्यात इस ब्रांडने नकली संचालन के स्त्रोत का पता लगाने के लिए तुरंत कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग किया।

मच- अवेइटेड फिल्म "हरि ओम हरि" की स्टार कास्ट सूरत पहुंची

सूरत भूमि, सूरत । एवरेस्ट एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत फिल्म "हरि ओम हरि" की स्टार कास्ट सिद्धार्थ रांदेरिया, व्योमा नांदी और फिल्म के डिरेक्टर निसर्ग वैद्य फिल्म के प्रमोशन के लिए सूरत पहुंचे। फिल्म की कहानी प्यार और हंसी से भरपूर है। सब के फेवरेट सिद्धार्थ रांदेरिया इस फिल्म में एक नए अवतार में नजर आएंगे। यह फिल्म 8 दिसंबर को पूरे गुजरात और मुंबई में रिलीज होगी।

संजय छाबड़िया के 'एवरेस्ट एंटरटेनमेंट' द्वारा प्रस्तुत, "हरि ओम हरि" की कहानी विनोद सरवैया द्वारा लिखी गई है। फिल्म में सिद्धार्थ रांदेरिया, रोनक कामदार, व्योमा नांदी, मल्हार राठौड़ मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही रागी जानी, शिवम पारेख, कल्पेश पटेल, संदीप कुमार और भूमि राजगोर जैसे प्रतिभाशाली सहायक कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन प्रतिभाशाली निसर्ग वैद्य ने किया है। फोटोग्राफी के निर्देशक मिलिंद जोग , साउंड इंजीनियर मंदार कमलापुरकर, कास्टिंग डायरेक्टर विजय रावल और फिल्म के संगीतकार पार्थ भरत ठक्कर हैं। यह फिल्म हार्ट-टचिंग रोमांस और साइड-स्प्लिटिंग कॉमेडी के संयोजन के साथ एक विज्युअल स्पेक्टेकल बन ने का वादा करती है।

सिद्धार्थ रांदेरिया, व्योमा नांदी और डिरेक्टर निसर्ग वैद्य ने सूरत की यात्रा के दौरान फिल्म पर चर्चा की। उन्होंने कहा, "हरि ओम हरि" सिर्फ एक रोमांटिक कॉमेडी नहीं है; यह प्यार, दोस्ती की कहानी है और सिखाती है कि जिंदगी हमें खुशी का दूसरा मौका देती है।

फिल्म में सिद्धार्थ रांदेरिया को बिल्कुल नए अवतार में देखकर लोग दंग रह जाएंगे, जबकि रोनक का जटिल जीवन का चित्रण बेहतरीन हास्य का स्त्रोत बनेगा। रोनक, व्योमा और मल्हार के बीच की मजेदार और प्रभावशाली केमिस्ट्री दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी। विशेष रूप से, "हरि ओम हरि" एक बड़े बजट की फिल्म है जिसमें अद्भुत विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स) सहित के तकनीकी पहलुओं को भी शामिल किया गया है।

"हरि ओम हरि" की शूटिंग अहमदाबाद के अलावा जैसलमेर में भी की गई है। तो इस शुक्रवार 8 दिसंबर को अपने नजदीकी सिनेमाघरों में मोस्ट-अवेइटेड गुजराती फिल्म "हरि ओम हरि" देखना न भूलें।

व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड द्वारा 'व्हाइटओक कैपिटल लार्ज एंड मिड कैप फंड' का लॉन्च

मुंबई। व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड ने आज अपने नए फंड ऑफर (NFO) - 'व्हाइटओक कैपिटल लार्ज एंड मिड कैप फंड' के लॉन्च की घोषणा की। NFO 1 दिसंबर से 15 दिसंबर 2023 तक खुला रहेगा। व्हाइटओक कैपिटल लार्ज एंड मिड कैप फंड एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो लार्ज कैप और मिड कैप दोनों स्टॉक्स में निवेश करती है।

व्हाइटओक कैपिटल लार्ज एंड मिड कैप फंड मुख्य रूप से लार्ज और मिड कैप स्टॉक्स में निवेश करेगा, जिसका उद्देश्य बॉटम-अप स्टॉक सिलेक्शन पर ध्यान केंद्रित करके हाई एक्टिव शेयर के साथ एक फेक्टर डिवर्सिफाइड बैलेंस्ड पोर्टफोलियो का निर्माण करना है। SEBI द्वारा वर्गीकृत इक्विटी म्यूचुअल फंडों की लार्ज और मिडकैप श्रेणी के व्यापक दायरे में आते हुए, व्हाइटओक कैपिटल लार्ज एंड मिडकैप फंड का लक्ष्य प्रत्येक और बाहरी तरफ 40त्न से 60त्न रेंज के बीच संचालित होने वाले लार्ज कैप और मिडकैप शेयरों के लिए लगभग समान एलोकेशन बनाए रखना होगा, यह अवसरवादी रूप से कुछ छोटे कैप शेयरों का मालिक हो सकता है जो सामान्य परिस्थितियों में 10% से अधिक नहीं होंगे।

नए फंड ऑफर के विषय में बोलते हुए, व्हाइटओक कैपिटल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के CEO आशीष पी. सोमैया ने कहा कि, "2022 के मध्य से, व्हाइटओक कैपिटल AMC में, हमारा ध्यान जानबूझकर बैक-टू-बैक NFO लॉन्च करने और संपूर्ण उत्पाद प्राप्त करने पर रहा है, विशेष रूप से निवेशकों और सलाहकारों द्वारा पसंद की जाने वाली प्रमुख श्रेणियों में। इंडस्ट्री बहुत ही मेरिटोक्रेटिक हो गई है और इसलिए यह ज़रूरी है कि बड़े NFO अभियानों को आगे बढ़ाने की कोशिश करने के बजाय, हम सिर्फ उत्पादों को स्थान दें और वे एक ट्रैक रिकॉर्ड बनाना शुरू करें और उनके पोर्टफोलियो, ट्रैक रिकॉर्ड और NAV हमारे कौशल को परखने के लिए हर किसी के लिए उपलब्ध हों। अब तक हमने जितने भी फंड्स का निर्माण किया है, उनके शुरुआती प्रदर्शन के संबंध में उनकी शुरुआत शानदार रही है और हमंत निवेशकों और इंडस्ट्री प्रतिभागियों से समान रूप से भारी सराहना मिल रही है। यह शुरुआत से प्राप्त 3 लाख फोलियो और 1.5 लाख स्ढ्ढक्क पंजीकरण से स्पष्ट है। लार्ज और मिडकैप विकासोन्मुख निवेशकों के लिए एक उत्कृष्ट श्रेणी है क्योंकि इसमें दोनों विश्व का सर्वश्रेष्ठ प्राप्त होता है, एक मैराथन रनर के समान लार्ज कैप की स्थिरता और एक स्प्रिंटर के समान मिड कैप की चपलता।"

पीएंडजी हेल्थ का '12 का नारा' अभियान ने FOGSI के सहयोग से मुंबई और अहमदाबाद में आयरन की कमी से होने वाले एनिमिया के बारे में जागरूकता बढ़ाई

आयरन डेफिशिएंसी डे के अवसर पर, पीएंडजी हेल्थ ने MOGS (मुंबई ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी) और AOGS (अहमदाबाद ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी), फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया (FOGSI) के सहयोग से आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया (आईडीए) की रोकथाम, उपचार और प्रबंधन पर जागरूकता बढ़ाने के लिए '12 का नारा' अभियान शुरू करने की घोषणा की है।

मिलिंद थत्ते, मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ लिमिटेड, ने कहा, "आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया (आईडीए) भारत में महिलाओं और बच्चों में सबसे आम पोषण संबंधी कमी है, जो शारीरिक वृद्धि और विकास को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है और खराब प्रजनन परिणामों को जन्म दे सकता है। पीएंडजी हेल्थ' अपने प्रमुख ब्रांड लिवोजेन द्वारा कई पहलों के माध्यम से और स्वास्थ्य सेवा संगठनों के सहयोग से आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया के बारे में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है, जिसमें च्ना ना एनीमिया बस यात्राज् शामिल है, जिसने पिछले 12 महीनों में भारत के उत्तर, पूर्व और दक्षिण शहरों में यात्रा की है। हमें मुंबई और अहमदाबाद के शहरी समुदायों में '12 का नारा' अभियान शुरू करके आयरन डेफिशिएंसी डे मनाने के लिए एक बार फिर FOGSI के साथ मिलकर खुशी हो रही है। चूँकि 12 महिलाओं के लिए सबसे अच्छा हीमोग्लोबिन स्तर है, '12 का नारा' का उद्देश्य लोगों को, विशेष रूप से वंचित समुदायों के लोगों को आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया के शुरुआती लक्षणों को पहचानने और समय पर उपचार लेने के लिए सशक्त बनाना है ।"

'12 का नारा' में मुंबई और अहमदाबाद में जमीनी स्तर पर जागरूकता पैदा करने के लिए नुक्कड़ नाटक (पथ नाटक), स्त्री रोग विशेषज्ञों के साथ महिला सभा की बैठकें और महिलाओं को आईडीए से लड़ने के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले व्यापक सामूहिक प्रयास शामिल है। इसके अलावा, निन्शुल्क जांच शिविरों में व्यापक एनीमिया परीक्षण के साथ-साथ स्त्री रोग विशेषज्ञों से नि:शुल्क परामर्श भी दिया जाएगा। शिविर में उपस्थित डॉक्टर स्थिति के प्रबंधन और रोकथाम पर पोषण संबंधी सलाह और मार्गदर्शन भी प्रदान करेंगे। अभियान का लक्ष्य लगभग 1.5 लाख महिलाओं और 80000 से अधिक एचसीपी और फार्मासिस्टों तक पहुंचना है, जिसमें सामान्य चिकित्सकों, फार्मासिस्टों और अन्य एचसीपी के साथ आईडीए के उपचार और प्रबंधन पर डॉक्टर समूह की बैठकें जैसे वैज्ञानिक शैक्षिक कार्यक्रम शामिल हैं।

डॉ अनाहिता चौहान, अध्यक्ष, एमओजीएस ने कहा, "आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया का शीघ्र पता लगाना महत्वपूर्ण है। संतुलित आहार, आवश्यक होने पर उचित अनुपूरण और नियमित स्वास्थ्य जांच के माध्यम से स्वस्थ लौह स्तर को बनाए रखने के महत्व को समझना महत्वपूर्ण है। '12 का नारा' अभियान इसी दिशा में एक सक्रिय प्रयास है।

P&G Health

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)